राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,30 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–303 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सपा का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे लोगों पर तंज आजम खां का तंज

कहा उपचुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद 'अब्दुल' वहां पोछा लगाएगा

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खां ने उनका साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे लोगों पर तंज करते हुए कहा है कि आगामी आठ दिसंबर को रामपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद 'अब्दुल' भाजपा के यहां पोछा लगाएगा। खां ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नालापार इलाके में सोमवार रात एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''उसने कहा कि अब्दुल (मुसलमान तबका) अब दरी नहीं बिछाएगा और यह कह कर वो मेरा साथ छोड़ कर चला गया। वह जब आया था तब मैंने उसके लिए 'रेड कारपेट' बिछाया था।

याद रखो आठ दिसंबर (उपचुनाव का नतीजा घोषित होने की तारीख) के बाद अब्दुल उनके (भाजपा) के यहां पोछा लगाएगा।'' उन्होंने कहा, ''जितने भी ठेकेदार और मालदार थे वह अपनी जमीनों का अपनी जायदाद का हिसाब

नहीं दे पाए इसलिए वह सब चले गए। जितने भी गद्दार थे, सब चले गए और अब सिर्फ वफादार रह गए हैं।'' पूर्व मंत्री ने भाजपा के मंचों पर नजर आ रहे कुरैशी समुदाय के कुछ लोगों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, ''जिन लोगों पर गोकशी के 50-50 मुकदमे दर्ज हैं, वे आज भाजपा के मंच पर विराजमान हैं।

आखिर कहां गई भाजपा की गाय के प्रति वह मोहब्बत।'' खां ने उपस्थित जनसमूह पर नाराजगी भी जाहिर की और कहा, ''मैंने तुम लोगों के लिए क्या नहीं किया, मगर तुमने लोकसभा उपचुनाव में हमारे उम्मीदवार आसिम राजा को हराकर हमारे साथ धोखा किया।'' उन्होंने कहा, ''रामपुर इस वक्त सियासत के बदतरीन दौर से गुजर रहा है और एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां तुम्हारी एक गलती मेरी 50 साल की मेहनत को मटियामेट कर देगी। अगली पांच दिसंबर को तुम्हारे पास दो रास्ते होंगे। पहला, आसिम राजा को वोट देकर अपनी तरक्की और खुशहाली को चुन लो या फिर उन्हें हराकर अंधेरों में डूब जाओ।''

उन्होंने मतदाताओं से किसी भी प्रकार के बहकावे में ना आने की अपील करते हुए कहा, ''एक बहुत बड़ी साजिश चल रही है। इसका अंजाम तुम नहीं जानते।'' पूर्व मंत्री ने भावुक अपील करते हुए कहा, ''मैंने आपके लिए क्या नहीं किया। न जाने कितने जुल्म सहे। सिर्फ आपके लिए... क्या सिर्फ यही मेरा कुसूर है। क्या सियासत इतनी गलीज हो सकती है। हालत यह है कि हम सब कुछ होते हुए भी अदालत में अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाए। जेल मेरा इंतजार कर रही है।'' उन्होंने कहा कि जो 1980 में रामपुर में सिर्फ महल और किला था। उसके बाद से लेकर आज तक रामपुर में जो भी तरक्की हुई है वह मेरी मेहनत है। चाहे वह पक्की सड़कें हों, गलियां हो, पार्क हों या कारखाने हों।

गौरतलब है कि नफरत भरा भाषण देने के मामले में इस महीने के शुरू में आजम खां को तीन साल की सजा सुनाए जाने के कारण उनकी सदस्यता रद्द होने के चलते रामपुर विधानसभा सीट खाली हुई है। इस सीट के उपचुनाव के तहत आगामी पांच दिसंबर को मतदान होगा। परिणाम आठ दिसंबर को घोषित होगा। सपा ने इस उपचुनाव में आसिम राजा को उम्मीदवार बनाया है जबकि भाजपा ने आकाश सक्सेना को टिकट दिया है।

भाजपा में शामिल होने वाले 'आप' कार्यकर्ताओं को मिल रही हैं धमकियां : विजय गोयल

नई दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी के जो नेता और कार्यकर्ता लगातार बड़ी संख्या आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं, उनको धमकियां दी जा रही हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो पुलिस में धमकियां देने वालों के खिलाफ एफआईआर की जाएगी।

गोयल ने कहा कि पिछले एक महीने में सैंकड़ों लोगों ने आम आदमी पार्टी के झूठे वादों, नित नए भ्रष्टाचारों और दिल्ली में यमुना एवं प्रदूषण जैसे विषयों पर कुछ काम न करने के कारण पार्टी छोड़ी है। गोयल ने कहा कि सबसे ज्यादा तो आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता निराश इसलिए हैं कि पार्टी में खुलेआम टिकटें बेची गई और काम करने वाले कार्यकर्ताओं को छोड़कर पैसे वालों को रातों-रात नगर निगम के पार्षद की उम्मीदवारी की टिकट बेच दी गई।

गोयल ने बताया कि भाजपा में शामिल होने वाले अधिकांश लोगों का कहना है कि हमने 'आप' को इसलिए ज्वाइन किया था कि ये भ्रष्टाचार से लड़ेंगे, किन्तु इनके खुद के भ्रष्टाचार इतने हैं कि ये सत्ता के लालच में कुछ भी करने को तैयार हैं।

गोयल ने कहा कि नगर निगम चुनाव में दिल्ली की जनता तैयार हो चुकी है कि किसे वोट देना है। दिल्ली की जनता ने पिछले दिनों देखा है कि किस प्रकार केजरीवाल सरकार और उनके मंत्री भ्रष्टाचार कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी सिर्फ अपने खोखले प्रचार करने में व्यस्त है और उनके हर विभाग में भ्रष्टाचार की अति हो गई है।

गोयल ने कहा कि जो आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के विरोध में सत्ता में आई थी, वही आज देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी बन गई है, यह दिल्ली की जनता भली-भांति जान गई है, और आने वाले निगम चुनाव में जनता केजरीवाल सरकार को करारा जवाब देगी।

कोरोना वैक्सीन लगवाने से हुई मौतों के लिए सरकार जिम्मेदार नहीं

मुआवजा चाहिए तो कोर्ट जाएं-केंद्र

नई दिल्ली। कोरोना टीकाकरण से हुए प्रतिकूल प्रभाव के लिए सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर करके यह बात कही है। सरकार ने कहा कि ऐसे मामलों में जहां वैक्सीन के कारण मौत हुई है, वहां सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर करके मुआवजे की मांग करना ही एकमात्र उपाय है। यह हलफनामा एक पेरेंट्स की उस याचिका के जवाब में दायर किया गया है जिसके मुताबिक पिछले साल कोविड वैक्सीन लगाने के बाद उनकी दो जवान लड़कियों की मौत हो गई थी। याचिका में टीकाकरण के बाद होने वाले प्रतिकूल प्रभावों का जल्द पता लगाने और समय पर उपचार के लिए प्रोटोकॉल तैयार करने की मांग की गई है। साथ ही मौतों की स्वतंत्र जांच और एक्सपर्ट मेडिकल बोर्ड बनाने की मांग भी रखी गई है।

मुआवजे के लिए स्टेट को नहीं ठहरा सकते जिम्मेदार-स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसके जवाब में कहा, वैक्सीन के इस्तेमाल से होने वाली दुर्लभ मौतों को लेकर मुआवजा देने के लिए स्टेट को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ऐसा करना कानूनी तौर पर सही नहीं होगा। केंद्र सरकार की ओर से इन दोनों मौतों को लेकर गहरी संवेदना जाहिर की गई। साथ ही कहा गया कि राष्ट्रीय एईएफआई समिति की जांच में वैक्सीन से मौत का केवल एक मामला ही पाया गया। दूसरी मौत टीके के प्रतिकूल प्रभाव से नहीं हुई। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मुआवजे की मांग को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया। मंत्रालय की ओर से दायर हलफनामे कहा गया, अगर किसी व्यक्ति को AEFI से फिजिकल इंजरी पहुंचती है या फिर उसकी मौत होती है तो उसके परिवार वालों के पास कानूनी तौर पर विकल्प मौजूद है।

दिल्ली में प्रदूषण के साथ बढ़ी ठंड, दक्षिण भारत में बारिश

नई दिल्ली। नवंबर खत्म होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं। दिसंबर की शुरुआत होते ही मौसम तेजी से करवट लेने वाला है। तापमान में गिरावट के साथ उत्तर भारत के राज्यों में अब लगातार ठंड बढ़ रही है। IMD के पूर्वानुमान के मुताबिक, उत्तर भारत के तापमान में आने वाले दिनों में और गिरावट दर्ज हो सकती है। इसके अलावा दक्षिण के कुछ इलाकों में बारिश के आसार हैं। आपको बताते हैं कि देश के विभिन्न राज्यों में क्या है मौसम का हाल।

दिल्ली में प्रदूषण के साथ बढ़ी ठंड

दिल्ली में ठंड के साथ प्रदूषण में भी वृद्धि हो रही है। दिल्ली का न्यूनतम तापमान अगले एक दो दिन में सात डिग्री तक आ जाएगा। दूसरी तरफ दिल्ली एनसीआर एक्यूआइ लगातार 300 से ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में चल रहा है। अगले तीन दिनों तक यही स्थिति बने

रहने के आसार हैं।

पंजाब में बारिश होने का अनुमान

वहीं दिसंबर की शुरुआत में पंजाब में मौसम का मिजाज फिर बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार एक दिसंबर से राज्य में बारिश होने का अनुमान है। तापमान में गिरावट के साथ ही धुंध लोगों को परेशान कर सकती है। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर, हमीरपुर व मंडी में धुंध छाने की चेतावनी है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में तीन दिसंबर तक वर्षा की संभावना नहीं है।

तमिलनाडु में बारिश के कारण स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी

तमिलनाडु के लगभग सभी जीलों में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए आज विरुधुनगर जिले के स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा की गयी है।

उत्तराखंड में गिरा पारा

उत्तराखंड में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि मंगलवार को अधिकतम व न्यूनतम तापमान में 13 से 18 डिग्री के आसपास अंतर रह सकता है। फिलहाल मौसम शुष्क बना रहेगा। आज हल्द्वानी, नैनीताल, पिथौरागढ़ और चंपावत में धूप निकली है। बागेश्वर में धुंध है, लेकिन धूप निकलने के आसार है।

बिहार का भ्रष्ट कृषि पदाधिकारी निकला करोड़पति, मुंबई में फ्लैट; पत्नी के नाम 18 प्लॉट

पटना। बिहार के बक्सर जिला कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी टीम की कार्रवाई में मनोज के पास डेढ़ दर्जन से ज्यादा अचल संपत्तियां मिली हैं। इनमें नवी मुंबई के फ्लैट को छोड़ बाकी की सभी 18 संपत्तियां सारण और वैशाली जिले में खरीदी गई हैं। दिलचस्प बात ये है कि सारण और वैशाली में एक भी जमीन या मकान कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार ने अपने नाम पर नहीं ली है। बल्कि सारी संपत्तियां अपनी पत्नी के नाम कराई हैं। कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार पर निगरानी ने आय से 90,19,483 रुपये अधिक की एफआईआर दर्ज की है। जांच के बाद दर्ज की गई एफआईआर में उनकी कई संपत्तियों का जिक्र है। इसके मुताबिक मनोज कुमार की पत्नी के नाम पर सारण नगर परिषद, रिविलगंज, खुलपुरा, जलालपुर के अलावा हाजीपुर के युसुफपुर, आदलवाड़ी, बागमाली में जमीन के साथ एक मकान भी है। नवी मुंबई के फ्लैट को जोड़कर उनकी अचल संपत्ति 1,62,19,483 रुपये की आंकी गई है। वहीं स्वयं के नाम पर बैंक में 11 लाख जमा हैं। तीन लाख की फिक्स डिपॉजिट और 30 लाख के निवेश का प्रमाण मिले हैं।

12 साल से घर बंद, लाइन चालू नहीं, भेज दिया 36 हजार का बिजली बिल

बता दें कि निगरानी टीम ने मनोज कुमार पर शिकंजा कसते हुए शनिवार को बक्सर स्थित आवास पर छापेमारी की। इसके बाद उनके हाजीपुर स्थित दो ठिकानों पर भी छापेमारी की गई। रेड के दौरान निगरानी टीम ने कई जमीनों के डीड और अन्य निवेश के कागजात बरामद किए।

एनआईए का गैंग्स ऑफ गैंगस्टर्स के ठिकानों पर देशव्यापी छापा

नई दिल्ली। गैंगस्टर्स- आतंकी नेटवर्क पर ताजा ऐक्शन लेते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी(एनआईए) ने पांच राज्यों के 20 स्थानों में रेड की है। इससे पहले अक्टूबर माह में भी एनआईए ने बड़े पैमाने पर छापेमारी की थी। सूत्रों के हवाले से पता लगा है कि एनआईए ने मंगलवार सुबह उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के छह जिलों में बड़े पैमाने पर छमेपारी की। गैंगस्टर-आतंकवादी नेटवर्क पर एक बड़ी कार्रवाई में एनआईए ने सुबह दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों में कई छापे मारे। इस मामले से अवगत अधिकारियों ने कहा कि छापे - जो पंजाब और राजस्थान के स्थानों में भी रिपोर्ट किए गए हैं, एनआईए द्वारा पिछले सप्ताह तीन

गैंगस्टरों लॉरेंस बिश्नोई, नवीन डबास और सुनील बालियान उर्फ टिल्लू ताजपुरिया को हिरासत में लेने के बाद आए हैं। पिछले महीने केंद्रीय एजेंसी द्वारा इस प्रकरण में जांच तेज करने के लिए इसी तरह की कार्रवाई शुरू की गई थी। अक्टूबर माह में एनआईए ने पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 50 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसी ने गैंगस्टरों के आतंकवादियों और मादक पदार्थों के तस्करों से संबंधों के बारे में विवरण प्राप्त करने के लिए छापे मारी की थी। राजस्थान में चूरू के संपत नेहरा के परिसरों में छापेमारी की सूचना मिली थी। जबकि पंजाब में, वकील गुरप्रीत सिंह सिद्धू, कबड्डी प्रमोटर जग्गा जंडियान और कथित गैंगस्टर जमान सिंह के परिसरों की भी तलाशी ली गई थी।

एनआईए सूत्रों ने उस समय जोर देकर कहा था कि ÷इस तरह के आतंकी नेटवर्क के साथ-साथ उनके फंडिंग और समर्थन के बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए जांच जारी रहेगी। उन्होंने कहा है, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये गिरोह लक्षित हत्याओं को अंजाम दे रहे थे और ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के जरिए ऐसी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन भी जुटा रहे थे।

इस बीच, मई में गायक-राजनेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई की जांच की जा रही है। जेल में बंद गैंगस्टर सुनील मान उर्फ टिल्लू ताजपुरिया और नवीन डबास उर्फ नवीन बाली दिल्ली की एक अदालत में जितेंद्र मान उर्फ गोगी की हत्या से जुड़े हैं।

केंद्र ने एससी कॉलेजियम को लौटाई कई जजों की नियुक्ति की फाइलें, सौरभ कृपाल के नाम पर पुनर्विचार करने को कहा

नई दिल्ली। केंद्र सरकर ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से वरिष्ठ वकील सौरभ कृपाल को दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की अपनी सिफारिश पर पुनर्विचार करने के लिए कहा है। सौरभ कृपाल भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश बी.एन. कृपाल के बेटे हैं, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उनकी पदोन्नति की सिफारिश पिछले चार वर्षों से विवादों से घिरी रही है।

केंद्र ने SC कॉलेजियम को कई नाम भेजे वापस

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए अनुशंसित कई नाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को वापस भेज दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र की मुख्य आपत्ति यह है कि सौरभ कृपाल स्विस नागरिक हैं। कृपाल के लिए सिफारिश उन 10 सिफारिशों में से एक है जो कानून मंत्रालय ने कॉलेजियम को लौटा दी है।

पिछले साल किया था कॉलेजियम ने नामों का एलान

बता दें कि पिछले साल कॉलेजियम ने 11 नवंबर 2021 को हुई अपनी बैठक में दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में वकील सौरभ कृपाल की पदोन्नति के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने सौरभ कृपाल की पदोन्नति की

सिफारिश की थी।

क्या कहा कृपाल ने?

कृपाल के अनुसार, उनके नाम की सिफारिश करने में देरी की बड़ी वजह उनके यौन अभिविन्यास है, क्योंकि अगर उनके नाम को मंजूरी मिली तो वह भारत के समलैंगिक न्यायाधीश बन जाएंगे। इससे पहले एक मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा था यह दावा किया गया है कि मेरा पार्टनर विदेशी मूल का व्यक्ति है, जो देश की सुरक्षा के लिए जोखिम है। उन्होंने कहा कि यही कारण है और मेरा मानना है कि मेरी कामुकता की वजह से मेरी उम्मीदवारी को न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति के लिए नहीं माना गया है।

नौ और नामों को भी केंद्र ने वापस भेजा-सूत्रों के अनुसार, इसके अलाव केंद्र ने नौ नामों को भी वापस कर दिया है, जिनमें दो कलकत्ता हाईकोर्ट, दो केरल हाईकोर्ट और पांच इलाहाबाद हाईकोर्ट हैं। पता चला है कि ये फाइलें पिछले हफ्ते कॉलेजियम को भेजी गई थीं। इससे पहले सोमवार को जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने न्यायिक हस्तक्षेप के खिलाफ चेतावनी देते हुए सरकार से कॉलेजियम द्वारा मंजूर किए गए नामों पर कार्रवाई करने को कहा था। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार सिफारिश दोहराए जाने के बाद नामों को मंजूरी देनी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सरकार और अदालत में भिड़ंत

कानून यह है कि न्यायाधीश परिषद जिस जज का भी नाम न्याय मंत्रालय को भेजे उसे वह तुरंत नियुक्त करे या उसे कोई आपत्ति हो तो वह परिषद को बताए लेकिन लगभग 20 नामों के प्रस्ताव कई महिनों से अधर में लटके हुए हैं। न सरकार उनके नाम पर 'हाँ' कहती है और न ही 'ना' कहती है। अजब पर्दा है कि वह चिलमन से लगी बैठी है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भारत की कार्यपालिका और न्यायपालिका में आजकल भिड़ंत के समाचार गर्म हैं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि जजों की नियुक्तियों में सरकार का टांग अड़ाना बिल्कुल भी उचित नहीं है जबकि मोदी सरकार के कानून मंत्री किरन रिजिजू का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश-परिषद (कालेजियम) अगर यह समझती है कि सरकार जजों की नियुक्ति में टांग अड़ा रही है तो वह उनकी नियुक्ति के प्रस्ताव उसके पास भेजती ही क्यों है? कानून मंत्री के इस बयान ने हमारे जजों को काफी नाराज कर दिया है। वे कहते हैं कि जजों की नियुक्ति में सरकार को आनाकानी करने की बजाय कानून का पालन करना चाहिए। कानून यह है कि न्यायाधीश परिषद जिस जज का भी नाम न्याय मंत्रालय को भेजे उसे वह तुरंत नियुक्त करे या उसे कोई आपत्ति हो तो वह परिषद को बताए लेकिन लगभग 20 नामों के प्रस्ताव कई महिनों से अधर में लटके हुए हैं। न सरकार उनके नाम पर 'हाँ' कहती है और न ही 'ना' कहती है। अजब पर्दा है कि वह चिलमन से लगी बैठी है। जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने उस 99 वें संविधान संशोधन को 2015 में रद्द कर दिया था जिसमें राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को अधिकार दिया गया था कि वह जजों को नियुक्त करे। इस आयोग में सरकार की पूरी दखलंदाजी रह सकती थी। अब पिछले साल सर्वोच्च न्यायालय ने 3-4 माह की समय-सीमा तय कर दी थी उन नामों पर सरकारी मोहर लगाने की जो भी नाम न्यायाधीश परिषद प्रस्तावित करती है। इस वक्त सरकार ने 20 जजों की नियुक्ति-प्रस्ताव वापस कर दिए हैं उसमें एक जज घोषित समलैंगिक हैं और वह भी ऐसे कि जिनका भागीदार एक विदेशी नागरिक है। इसके अलावा सरकार और सामान्य लोगों को भी यह शिकायत रहती है कि ये जज परिषद अपने रिश्तेदारों और उनके मनपसंद वकीलों को भी जज बनवा देती है। न्यायपालिका में राजनीति की ही तरह भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार किसी न किसी तरह पनपता रहता है। जजों की नियुक्ति में सत्तारुढ़ नेताओं की भी दखलंदाजी भी देखी जाती है। वे अपने मनपसंद वकीलों को जज बनवाने पर तुले रहते हैं और जो जज उनके पक्ष में फैसले दे देते हैं उन्हें पुरस्कार स्वरूप पदोन्नतियां भी मिल जाती हैं। ऐसे जजों को सेवा-निवृत्ति के बाद भी राज्यपाल उप-राष्ट्रपति किसी आयोग का अध्यक्ष या राज्यसभा का सदस्य आदि कई पद थमा दिए जाते हैं। सरकारी हस्तक्षेप के ये दुष्प्रभाव तो सबको पता हैं लेकिन यदि न्यायाधीशों की नियुक्ति भी सीधे सरकार करने लगेगी तो लोकतांत्रिक शक्ति-विभाजन के सिद्धांत की घोर अवहेलना होने लगेगी। यदि सरकार को न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार दे दिया जाए तो क्या न्यायाधीशों को भी यह अधिकार दिया जाएगा कि वे राष्ट्रपतियों प्रधानमंत्रियों मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों की नियुक्ति में भी हाथ बंटाएं? अमेरिका जैसे कुछ देशों में वरिष्ठ जजों की नियुक्ति राष्ट्रपति ही करता है। वे जीवनपर्यंत जज बने रह सकते हैं। भारत की न्यायिक नियुक्तियां अधिक तर्कसंगत और व्यावहारिक हैं। वे संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुकूल भी हैं। सरकार को जजों की नियुक्ति पर या तो तुरंत मोहर लगानी चाहिए या न्यायाधीश परिषद के साथ बैठकर स्पष्ट संवाद करना चाहिए।

सूक्ति

मै एक मजदूर हूँ। जिस दिन कुछ लिख न लूँ उस दिन मुझे रोटी खाने का कोई हक नहीं।
- प्रेमचंद

मानव हृदय में घृणा लोभ और द्वेष वह विषैली घास हैं जो प्रेम रूपी पौधे को नष्ट कर देती है।
- सत्यसाईं बाबा

लॉफिंग ज़ोन

रोगी, 'डॉक्टर साहब मेरा ऑप्रेशन सफल रहेगा न।'

डॉक्टर, 'मैंने इस रोग के अनेक ऑप्रेशन किए हैं। आशा है इस बार तो अवश्य सफल रहूंगा।'

□ □ □

'कुछ समोसे और खा लो बेटा'

एक स्त्री ने घर आए एक बच्चे से कहा।

'नहीं अब तो पेट भर चुका हैं।'

'तो कुछ जेब में रख लो रास्ते में खा लेना।'

'अंटी जेब तो मैंने पहले ही भर ली थी।'

□ □ □

पिता, 'डॉक्टर जल्दी आइए, मेरे बेटे ने ब्लेड निगल लिया है।'

डॉक्टर, 'आप उसे फौरन अस्पताल ले आइए। आपने अभी कुछ किया तो नही ?'

पिता, 'नही, बस मैंने इलैक्ट्रिक शेवर से शेविंग कर ली हैं।'

□ □ □

एक व्यक्ति अपनी धुन में आकाश की और देखता हुआ सड़क के बीचों-बीच चला जा रहा था कि एक कार के नीचे आते-आते बचा। कार वाले ने कार रोक ली और कार से उतर कर उसके पास आकर कहां, 'जहां चल रहे हो वहां पर नहीं देखोगे तो वहां पहुंच जाओगे जहां देख रहे हो।'

सांस्कृतिक सामंजस्य में राष्ट्रीय एकता के सूत्र

सुरेश सेठ

इस समय देश में अपने खोये हुए चेहरे की तलाश हो रही है। इसका संदेश प्रधानमंत्री मोदी भी दे रहे हैं और उसके साथ ही साथ अन्य विद्वान और विषय-निपुण बुद्धिजीवी भी यही कह रहे हैं कि हमने आज अंग्रेजियत के बहाव में उसे प्रतिष्ठासूचक संदेश मानकर अपने चेहरे खो दिए, अपनी संस्कृति जड़विहीन कर दी। हाय-बाय संस्कृति को अपनाकर अंग्रेजियत के गुलाम हो गए। संगीत को देख लीजिए, जिसमें जब भक्ति संगीत उभरता था तो हर जनमानस को हर्षा जाता था, जब दर्द भरे संगीत की लयबद्ध धुनें सामने आती थीं तो आदमी इस घिसी-पिटी दुनिया से किसी नई दुनिया में चला जाता था जहां वायवीय अनुभव उसके इर्द-गिर्द रहते थे। लेकिन अब क्या हो गया? कहां से आ गया यह आयातित संगीत, आयातित बौद्धिकता जिसने न केवल हमारी सांस्कृतिक गहराइयों को नेपथ्य में फेंक दिया बल्कि हम प्रतिष्ठासूचक उधार के चेहरे को लेकर घूमने लगे। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने बनारस में अपनी संस्कृति को एकसूत्र में बांधने वाली काशी तमिल संगमम का आह्वान देकर इसे विविधताओं का उत्सव मनाने की बात कही है। यही हमारे संविधान की आवाज है, अनेकता में एकता। यह एकता जब होगी तो वह ऊर्जावान राष्ट्रीय एकता बनेगी। अपने-अपने हिस्से का हिंदुस्तान नहीं बांटना चाहिए। ऐसे दो भाग भारत के न बनें कि जहां उत्तरी भारत के सांस्कृतिक स्वर दक्षिण तक नहीं जाते और दक्षिण के स्वर उत्तर भारतीयों को अजनबी लगते हैं। इसकी वजह से ही कट्टरता पैदा होती है। क्षेत्रवाद पैदा होता है और एक-दूसरे को न सहने की भावना पैदा होती है। पीएम मोदी ने इस संगम का उत्सव मनाते हुए सही कहा कि काशी देश की सांस्कृतिक राजधानी है और तमिलनाडु व तमिल संस्कृति भारत की प्राचीनता का गौरव केन्द्र है। क्यों न दोनों का संगम हो? बीच में खड़ी लकीरें मिट जाएं, क्योंकि आज अपनी विरासत को बचाना है। उसे समृद्ध करना है और इसके लिए भाषा भेद को दूर करके भावनात्मक एकता कायम करनी है। क्यों भूलें हम कि काशी में बाबा विश्वनाथ हैं जबकि तमिलनाडु पर भगवान रामेश्वरम का आशीर्वाद है। काशी व तमिलनाडु दोनों शिवमय और शिव के आशीर्वाद से पूरित हैं। तमिलनाडु में तो एक दक्षिण काशी भी है। तो क्यों न इनके बीच पुल बनाने की वकालत करके सामंजस्य पैदा किया जाए। इसी सामंजस्य को पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र बनारस में भी इस सामंजस्य का उत्सव मनाने की बात कही है। इसमें नदियों और धाराओं के संगम से लेकर विचारधाराओं और ज्ञान-विज्ञान के हर संगम का उत्सव मनाना है। अपने आप को प्रतिष्ठित करने और अपनी धरती, अपनी लोक विरासत पर गर्व करने के लिए अपने क्षेत्र की भाषा बहुत महत्व रखती है। दक्षिण भारत में आंध्र प्रदेश में तेलुगू, तमिलनाडु में तमिल और उधर पश्चिम बंगाल में बंगाली न केवल महत्वपूर्ण हैं बल्कि उनका अमर साहित्य भी रचा गया है। इधर पंजाब में पंजाबी है। यह अच्छी बात है कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने पंजाबी भाषा के महत्व को न केवल स्वीकार किया है बल्कि उसको मान्य बनाने के उचित प्रयास शुरू किए हैं। इसमें अभी किया गया यह प्रयास भी शामिल है, यह नया आदेश कि पंजाबी भाषा हर बाजार, हर साइन बोर्ड पर पहली भाषा के स्थान पर लिखी जाए। आज तक यह होता रहा है कि पहली भाषा तो अंग्रेजी रहती है। उसके बाद अपनी भाषा को कहीं बहुत उपेक्षणीय स्थान दे दिया जाता है। भगवंत मान की सरकार ने कहा है कि यह उपेक्षा अब नहीं होगी। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल अपनी पहचान बनाए रख सके क्योंकि उन्होंने अपनी भाषा का साथ नहीं छोड़ा। यहां पंजाब में आधुनिकता का बहाव, सबसे आगे निकल जाने का जुनून कुछ ऐसा रहा कि हम साइन बोर्डों से लेकर रेस्तराओं तक पंजाबी का तिरस्कार कर अंग्रेजी को शिखर पर बिठाते रहे, उसे शिरोधार्य करते रहे। भगवंत मान ने इस परिपाटी से परे हटने का साहस किया है। उन्होंने कहा कि 21 फरवरी तक जब अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस मनाया जाएगा, पंजाबी में साइन बोर्ड लगें। अन्य राज्यों में अपनी-अपनी मातृभाषा का सम्मान करने के लिए कोई जन आंदोलन चलाने की जरूरत नहीं है लेकिन पंजाब में अंग्रेजियत और संपन्नता का ऐसा सैलाब है कि उसमें हमारी पंजाबी खो गई। हीर-वारिस शाह की आवाज कम और डिस्को की आवाज ज्यादा तेज होती नजर आती है। भगवंत मान ने इस बनी लकीर से हटने का पंजाबियों को आह्वान किया है। यह भी कहा कि पंजाबी तो दुनिया के हर हिस्से में बसे हैं और अपने अस्तित्व की उपादेयता जता रहे हैं। याद रखें, कोई संस्कृति समृद्ध नहीं होती, अगर उसका आधार उसकी मातृभाषा नहीं है। तो यहां क्यों न गुरुओं, पीरों और शहीदों की भूमि पंजाब की अपनी भाषा में उसके सांस्कृतिक गौरव का बखान हो। विदेशों में चाहे फ्रांस हो, अमेरिका हो या फिर इंग्लैंड, लोग अपनी-अपनी भाषा बोलना पसंद करते हैं। पर यहां पंजाब में क्यों यह किट्टी कल्चर अंग्रेजी में बतियाने पर विवश करता है- इससे बचें और हमारी भावी पीढ़ी को पंजाबी में लिखे गए साहित्य, गीत, कविता और विरासत से जुड़ी अन्य सामग्री से परिचित करवाएं। ऐसे कदम बेशक हरियाणा में हरियाणवी भाषा, उत्तर प्रदेश में भोजपुरी और मैथिली को समृद्ध करने के लिए भी उठाने चाहिए। निश्चय ही इसके लिए एक नया विश्वास, नई आस्था और एक नई भाव-भूमि पैदा करनी होगी। इसकी पहचान भगवंत मान कर रहे हैं और लगातार पंजाबी भाषा की समृद्धि के लिए कदम उठा रहे हैं। लेकिन अपनी भाषा को स्थापित करने, क्षेत्र विशेष के साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने और भाषा को उसकी जगह पुन- स्थापित करने के इस जुनून में यह नहीं होना चाहिए कि हम और जरूरी बातों को भूल जाएं। पहली बात कि भारत की लगभग सभी भाषाओं की मां संस्कृत है और संस्कृत मां के उदर से पैदा हुई भाषाएं अपना-अपना रंग बिखेरकर भारत के सांस्कृतिक आकाश को इंद्रधनुषी रंग दे रही हैं। यह इन्द्रधनुषी रंग किसी भी भाषा की तरफ जरूरत से अधिक पलड़ा झुकाकर बिखरना नहीं चाहिए। हम एकसूत्रता की बात करते हैं। उत्तर-दक्षिण के सामंजस्य की बात कर रहे हैं लेकिन ऐसा क्यों हो रहा है कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना लेने के बाद भी हिंदी को उसका यथोचित स्थान नहीं दे पाए। यह अभी तक देश की राष्ट्रभाषा नहीं है। वहीं राजभाषाओं के नाम पर जो पहचान मिल रही है वह केवल हिंदी को ही नहीं, बल्कि इसके साथ हर राज्य की अलग-अलग भाषा को भी मिल रही है। इसके साथ हिंदी को उसी क्षेत्रीय कोष्ठक में न डाला जाए क्योंकि देश की संपर्क भाषा तो हिंदी ही रहेगी। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी बात कहने के लिए हिंदी का सहारा ही हमें विशिष्ट पहचान देगा और अगर सब स्थानीय भाषाओं का अमर साहित्य हिंदी में अनूदित करके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित कर दिया जाए तो यह देश का सांस्कृतिक गौरव ही नहीं बढ़ाएगा बल्कि एक ऐसा कोलाज बन जाएगा जिसमें हर रंग एक ही बात कहेगा, और वह बात होगी मानवीयता की, राष्ट्रीयता एकता की और निरंतर विकास की।

लेखक साहित्यकार हैं।

गुजरातः चुनाव परिणाम राजनीति की नई दिशा तय करेगें....?

(राजनीतिक घमासान/ लेखक- ओमप्रकाश मेहता)

आज यदि यह कहा जाए कि अगले दस दिनों में भारत का राजनीतिक भविष्य तय होगा तो कतई गलत नहीं होगा क्योंकि प्रधानमंत्री को गृह राज्य गुजरात के विधानसभा चुनाव काफी प्रतिष्ठापूर्ण हो गए है इन चुनावों में जहां पिछले सत्ताईस साल से इस राज्य में राज कर रही भारतीय जनता पार्टी की प्रतिष्ठा दाव पर लगी है वहीं ये चुनाव यह भी स्पष्ट करेगें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले आठ साल के शासनकाल में जो भी काम किए उन पर उन्हीं के राज्य की जनता की राय क्या है? स्वयं प्रधानमंत्री इन चुनावों को अपनी प्रतिष्ठा की कसौटी मानकर अपनी सत्ता की दीर्घायु के लिए दिन-रात एक कर रहे है इस राज्य की 182 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में एक व पांच दिसम्बर को मतदान है तथा हिमाचल व गुजरात दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम आठ दिसम्बर को सामने आना है। गुजरात के ये चुनाव भाजपा व प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा से इसलिए भी जुड़े है क्योंकि ये परिणाम अगले साल राजस्थान व मध्यप्रदेश तथा अन्य राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों तथा 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को भी प्रभावित करने वाले है गुजरात चुनाव में इस बार एक अजूबा यह भी है कि 2017 के विधानसभा चुनावों में गुजरात में एक भी सीट पर जीत दर्ज नहीं करा पाने वाली आम आदमी पार्टी अब इस राज्य में सरकार बनाने के दावे कर रही है जब मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस का यहां कोई इस बार 'अता-पता' नहीं है आम आदमी पार्टी की दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बन जाने के बाद इस पार्टी के हौसले बढ़ हुए है और इसके अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल रोज नई-नई चुनौतियां लेकर राजनीति के मैदान में आ रहे है। वैसे राजनीतिक प्रेक्षक व चुनावी पंडित यह तो जरूर मान रहे है कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी का 2017 वाला रूतबा रहने वाला नही है अर्थात् प्रधानमंत्री मोदी जी के अथक प्रयासों के बावजूद उतनी सीटें प्राप्त नहीं कर पाएगी जितनी 2017 में प्राप्त की थी किंतु यह भी आमतौर पर माना जा रहा है कि इस बार भी गुजरात में बहुमत भाजपा के ही मिलेगा और भूपेन्द्र पटेल के ही नेतृत्व में फिर सरकार बनेगी भूपेन्द्र के नाम की घोषणा मोदी जी पहले ही कर चुके है। किंतु इस सबके बावजूद प्रधानमंत्री के इस गृह राज्य में प्रधानमंत्री जी की अपनी पार्टी भाजपा के लिए यह चुनाव एक बड़ी चुनौति बनके सामने प्रकट हुआ है जिसकी कल्पना स्वयं प्रधानमंत्री जी को भी नहीं थी। किंतु यह तो अवश्य ही हर कोई यह महसूस कर रहा है कि इतने प्रतिष्ठा व चुनौतिपूर्ण चुनाव

पहले किसी प्रधानतंत्री के गृह राज्य में नहीं हुए। फिर हर कोई यह जानता है कि गुजरात विधानसभा के इन चुनावों के परिणामों की राजनीति धमक-चमक कितने दिनों तक कहां-कहां रहने वाली है प्रधानमंत्री के दल भाजपा को इस बात की भी चिंता है कि यदि भाजपा की गुजरात में किरकिरी हो गई तो फिर पार्टी को इसका कितना खामियाजा भुगतना पड़ सकता है? क्योंकि भाजपा शासित राज्य मध्यप्रदेश तथा कांग्रेस शासित राजस्थान में भी अगले वर्ष 2023 के दौरान चुनाव होना है और भाजपा इन चुनावों में अपनी जीत दर्ज करवा कर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करना चाहेगी।

मौजूदा राजनीतिक माहौल में राजनीतिक पंडितों को इस बात पर भी आश्चर्य हो रहा है कि सत्तारूढ़ दल भाजपा के सामने अब किसी भी राष्ट्रीय राजनीतिक दल की चुनौति नहीं रही कांग्रेस तो आत्महत्या के कगार पर है ही इसके साथ ही उत्तरप्रदेश के बसपा व समाजवादी दल दोनों ही राष्ट्रीय दल नही बन पाए और न ही बिहारी राजनीति राष्ट्रीय राजनीति में कोई दखल कर पाई ऐसे में यदि देश में सिर्फ दो राज्यों में राज करने वाली आम आदमी पार्टी के हौसले बुलंद है तो यह विस्मय का परिदृष्य तो है ही इसी परिदृष्य को लेकर लोकसभा चुनावों का भी खाका तैयार किया जा रहा है।

इस प्रकार कुल मिलाकर आज देश का राजनीतिक परिदृष्य काफी दिलचस्प होने के साथ ही आश्चर्यजनक भी है जहां एक राज्य के चुनाव परिणाम देश की भावी राजनीति को प्रभावित करने जा रहे है वहीं एक अदना सा नवजात राजनीतिक दल राष्ट्रीय परिदृष्य में अपनी उपस्थिति की परिकल्पना कर रहा है।

(चिंतन-मनन)

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे। एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला देवी आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला कहां है दौलत जरा हमें भी तो बताइए। अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा जो कुछ आप मुझे देने आए हैं उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कम गुणवत्ता वाले कम्युनिटी नोट्स की बेहतर पहचान के लिए ट्विटर ने जारी किया अपडेट

नई दिल्ली। ट्विटर ने एक एल्गोरिथम अपडेट शुरू किया है जो अधिक निम्न-गुणवत्ता वाले सामुदायिक नोट्स की पहचान करता है, जिसके परिणामस्वरूप उन लोगों के योगदानकर्ता की स्थिति को निलंबित कर दिया जाएगा जो ट्वीट्स पर आगे स्पष्टीकरण और संदर्भ प्रदान करने के लिए अनहेल्पफुल एनोटेशन्स लिखते हैं।ट्विटर ने कहा कि उन उपयोगकर्ताओं को अपना कन्ट्रीब्यूटर का दर्जा वापस अर्जित करना होगा, क्योंकि एलन मस्क कंपनी के भविष्य के रूप में समुदाय-आधारित मॉडरेशन को बढ़ावा देते हैं। कंपनी ने कहा, एल्गोरिद्म अपडेट से अधिक निम्न गुणवत्ता वाले नोटों की पहचान करने में मदद मिलेगी, अधिक योगदानकर्ता जो लगातार कम गुणवत्ता वाले नोट्स लिखते हैं, उनकी लेखन क्षमता लॉक हो जाती है (और इसे वापस अर्जित करना पड़ता है) और अधिक स्कोरिंग डेटा के साथ योगदानकर्ता सहायकता स्कोर में सुधार होता है। लेटेस्ट अपडेट अधिक योगदानकर्ताओं की बेहतर पहचान करेगा और उन्हें लॉक कर देगा जो सहायक कंटेंट नहीं लिख रहे हैं।

लग्जरी क्रूज शिप 2,000 पर्यटकों को लेकर कोलंबो पहुंचा

कोलंबो। श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण (एसएलपीए) ने कहा कि एक सुपर लग्जरी क्रूज शिप मंगलवार को 2,000 से अधिक पर्यटकों को लेकर कोलंबो बंदरगाह पहुंचा।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक जर्मन ऑपरेटर के स्वामित्व वाला मैन शिफ 5 राजधानी शहर के बंदरगाह पहुंचा। इसके बाद पूरे दिन समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। एसएलपीए के अधिकारियों ने कहा कि जहाज का कोलंबो बंदरगाह पर औपचारिक स्वागत किया गया और यात्रियों को देश के हाइलैंड्स के अधिकांश स्थानों और पर्यटन के लिए भ्रमण की पेशकश की जाएगी। पर्यटन मंत्रालय ने कहा कि क्रूज लाइनर के आने से दक्षिण एशियाई देश के पर्यटन को बढ़ावा मिला है। अगले साल मार्च तक श्रीलंका में नौ अंतरराष्ट्रीय क्रूज शिप के आने की उम्मीद है जो देश के महामारी-पीड़ित पर्यटन उद्योग को फिर से स्थापित करेगा और बहुत आवश्यक विदेशी मुद्रा को आकर्षित करेगा।

एप्पल ने आईओएस 16.2 यूजर्स के लिए दूसरा रैपिड सिक्योरिटी रिस्पांस अपडेट जारी किया

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल ने एक नया रैपिड सिक्योरिटी रिस्पांस अपडेट जारी किया है, जो आईओएस 16.2 बीटा चलाने वालों के लिए उपलब्ध है। यह आईओएस 16 में फीचर जारी होने के बाद से दूसरे आरएसआर अपडेट को चिह्नित करता है।मैकरियूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, रैपिड सिक्योरिटी रिस्पांस अपडेट का उद्देश्य आईओएस 16.2 बीटा उपयोगकर्ताओं को फुल अपडेट इंस्टॉल करने की आवश्यकता के बिना बग फिक्स प्रदान करना है। चूंकि आईओएस 16.2 बीटा उपयोगकर्ताओं के लिए पहला आरएसआर रिलीज बिना किसी वास्तविक बग फिक्स के एक परीक्षण था, इसलिए यह अपडेट भी एक समान परीक्षण होने की संभावना है। बीटा उपयोगकर्ता सेटिंग ऐप में उसी स्थान पर अपडेट पा सकते हैं जहां सामान्य अपडेट दिखाई देता है। रिपोर्ट के मुताबिक यह अपडेट आईओएस सिक्योरिटी रिस्पांस 16.2 (बी) के रूप में दिखाई देगा। इस महीने की शुरुआत में, एप्पल ने अपना तीसरा आईओएस 16.2 बीटा जारी किया था, जो उपयोगकर्ताओं को आईफोन के हमेशा-ऑन डिस्प्ले पर प्रदर्शित होने से वॉलपेपर और सूचनाओं को डिसेबल करने की अनुमति देता है। आईओएस 16.2 बीटा 3 में, कंपनी ने दो नए टॉगल जोड़े हैं- एक जो शो वॉलपेपर फीचर को डिसेबल करता है और दूसरा जो शो नोटिफिकेशन फीचर को डिसेबल करता है। इसके अलावा, एप्पल अपने पहले आईओएस 16.2 बीटा टू डेवलपर्स रिलीज में, उपयोगकर्ताओं को कंपनी को एक रिपोर्ट भेजने की अनुमति देता है जब इमर्जेंसी एसओएस को अनजाने में ट्रिगर किया गया हो।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को भी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन एशियाई व अन्य बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही विदेशी निवेशकों की जमकर खरीददारी से बाजार ऊपर आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार रिकार्ड तेजी पर बंद हुआ था। आज दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 177.04 अंक करीब 0.28 फीसदी बढ़कर की रिकॉर्ड 62681.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 382.6 अंक तक बढ़ा था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 55.30 अंक तकरीबन 0.30 फीसदी बढ़कर अपने अबतक के शीर्ष स्तर 18618.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में दिग्गज कंपनियों हिंदुस्तान यूनिलीवर सन फार्मा नेस्ले डॉ. रेड्डीज टाटा स्टील आईसीआईसीआई बैंक टाइटन और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर मुख्य रूप से लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक बजाज फिनसर्व मारुति पावरग्रिड और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर गिरने से ये नीचे आये हैं। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ के साथ ही उछले हैं जबकि जापान के निक्की में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गयी है।

अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में गिरावट रही।

बाजार जानकारों के अनुसार उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में भारी लिवाली (खरीददारी) से बाजार में सकारात्मक रुख बना हुआ है। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के सकारात्मक रुख से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है। एफआईआई ने ही नवंबर महीने में अबतक 32344 करोड़ रुपये का निवेश किया है इससे भी बाजार को बल मिला है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड भी 2.45 फीसदी बढ़त के साथ ही 85.23 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

एडब्ल्यूएस भारतीय बाजार को लेकर उत्साहित

लास वेगास । अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने कहा कि वह भारतीय बाजार को लेकर उत्साहित है। कंपनी ने कहा कि यहां क्लाउड एडॉप्शन के क्षेत्र में वृद्धि की बड़ी संभावनाएं हैं। अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग इकाई एडब्ल्यूएस ने भारतीय बाजार के लिए अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते लागत कम करने दक्षता हासिल करने और व्यावसायिक नवाचार चलाने के चलन में बढ़ोतरी होगी। अमेजन इंटरनेट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एआईएसपीएल) में एडब्ल्यूएस भारत और दक्षिण एशिया के वाणिज्यिक व्यवसाय के अध्यक्ष पुनीत चंडोक ने कहा` कि क्लाउड अनिश्चितता का अच्छी तरह से जवाब देता है। चंडोक ने एडब्ल्यूएस के वार्षिक फ्लैगशिप कार्यक्रम रिइनवेंट 2022 के मौके पर कहा कि मंदी के समय में क्लाउड प्रौद्योगिकी पारंपरिक मॉडलों की तुलना में अधिक लचीलापन मुहैया कराती है। उन्होंने कहा` कि यही वजह है कि हमें भारत में ऐसी मांग की उम्मीद है जैसी इससे पहले कभी नहीं देखी गई। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब वैश्विक आर्थिक माहौल अस्थिर है और बड़ी कंपनियां मंदी का मुकाबला करने की तैयारी कर रही हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के नए सरफेस डिवाइस अब भारत में उपलब्ध

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट (NASDAQ:MSFT) ने मंगलवार को दो नए सरफेस प्रोडक्टस- सरफेस लैपटॉप 5 और सरफेस प्रो 9 की घोषणा की, जो अब भारत में उपलब्ध हैं।सरफेस लैपटॉप 5 जिसकी कीमत 1,07,999 रुपये है और सरफेस प्रो 9 जिसकी कीमत 1,05,999 रुपये है, आज से ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोर्स पर खरीद के लिए उपलब्ध है। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर इरिना घोष ने एक बयान में कहा, हमें विंडोज 11 के लिए अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए भारत में नए सरफेस डिवाइस लाकर खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, आज, हम विंडोज 11 के इनोवेशन के साथ एक ही डिवाइस पर माइक्रोसॉफ्ट का सर्वश्रेष्ठ एक साथ ला रहे हैं, क्योंकि हम सभी उपयोगकर्ताओं को भाग लेने, देखने, सुनने और अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने में सक्षम बनाने के लिए अपनी यात्रा पर अगला कदम उठा रहे हैं। सरफेस प्रो 9 में एज-टू-एज 13-इंच पिक्सलसेंस डिस्प्ले है, जिसमें 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट और कलर्स की एक विस्तृत श्रृंखला है। रिपोर्ट के अनुसार, यह 12वीं पीढ़ी के इंटेल कोर प्रोसेसर के साथ आता है, जो अविश्वसनीय शक्ति और प्रदर्शन प्रदान करता है, साथ ही इसे सरफेस प्रो 8 की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक प्रदर्शन के साथ वास्तविक दुनिया के मल्टी-टास्किंग, फुल डेस्कटॉप प्रोडक्टिविटी और तीव्र वर्कलोड के लिए भी तैयार करता है। इसके अलावा, सरफेस लैपटॉप 5 लेटेस्ट इंटेल ईवो प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है, जो इसे अपने पूर्ववर्ती की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक शक्तिशाली बनाता है। यह स्लीक और एलिगेंट है और पूरे दिन की बैटरी लाइफ भी प्रदान करता है।

क्रूड के भाव में नरमी एनसीआर में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 83.19 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। ग्लोबल इकोनॉमी में तेल की खपत घटने से ओपेक ने एक बार फिर इसकी कीमतों में कटौती की। जिसका असर मंगलवार सुबह पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा और एनसीआर सहित देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कटौती हुई है। सरकारी तेल कंपनियों ने दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत नहीं बदली है। गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 41 पैसे सस्ता होकर 96.53 रुपए लीटर और डीजल 40 पैसे टूटकर 89.71 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 18 पैसे महंगा हुआ और 96.58 रुपए लीटर पहुंच गया। जबकि डीजल 17 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर हो गया है। गुरुग्राम में भी पेट्रोल 6 पैसे महंगा हुआ है जो 97.10 रुपए लीटर बिक रहा जबकि डीजल 5 पैसे महंगा हुआ और 89.96 रुपए पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 56 पैसे चढ़कर 107.80 रुपए लीटर जबकि डीजल 52 पैसे की तेजी के साथ 94.56 रुपए लीटर हो गया है। कच्चा तेल की कीमत में पिछले 24 घंटे में बदलाव दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 83.19 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई भी लुढ़ककर 76.48 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.53 रुपए और डीजल 89.71 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.10 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर है।

इंटरनेट समस्याओं का निदान करने में मदद करेगा अमेजन क्लाउडवर्क्स इंटरनेट मॉनिटर

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

अमेजन की क्लाउड शाखा अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने अपने क्लाउडवर्क्स इंटरनेट मॉनिटर की घोषणा की है, जो यूजर्स को इंटरनेट समस्याओं के निदान में लगने वाले समय को कम करने की अनुमति देगा।जैसा कि नाम से पता चलता है, यह क्लाउडवर्क्स मॉनिटरिंग टूल का हिस्सा है और यह दुनिया भर के इंटरनेट कनेक्शनों को देखता है ताकि ट्रबल स्पॉट का पता लगाया जा सके। अमेजन ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, क्लाउडवॉच की एक नई क्षमता यह दृश्यता प्रदान करेगी कि इंटरनेट समस्या आपके एप्लिकेशन्स के प्रदर्शन और उपलब्धता को कैसे प्रभावित कर सकती है। ब्लॉगपोस्ट में कहा गया, इंटरनेट मॉनिटर उस कनेक्टिविटी डेटा का उपयोग करता है जिसे हम इंटरनेट ट्रैफिक के लिए प्रदर्शन और उपलब्धता की आधार रेखा की गणना करने के लिए अपने वैश्विक नेटवर्किंग फुटप्रिंट से कैप्चर करते हैं। विचार यह है कि यूजर्स को एडब्ल्यूएस इंफ्रास्ट्रक्चर संसाधनों पर चल रही एप्लिकेशन्स के साथ इंटरनेट कनेक्शन समस्याओं से संबंधित समस्याओं की निगरानी करने दें। उपयोगकर्ता केवल एक मॉनिटर बना सकते हैं और कुछ इंटरनेट संसाधनों को जोड़ सकते हैं और वहां से मॉनिटर कर सकते हैं जब उन्हें प्रदर्शन की शिकायतें मिल रही हों, जिन्हें वे इंगित नहीं कर सकते। इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ता उनके द्वारा जोड़े गए संसाधनों के कनेक्शन की गुणवत्ता के आधार पर उनके मॉनिटर के स्वास्थ्य स्कोर को देख सकते हैं।

ब्लॉगपोस्ट में कहा गया कि उपयोगकर्ताओं को अपने एप्लिकेशन कोड का उपयोग करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि वे एडब्ल्यूएस प्रबंधन कंसोल के क्लाउडवॉच अनुभाग में सेवा को सक्षम कर सकते हैं और तुरंत इसका उपयोग करना शुरू कर सकते हैं। नई सर्विस 20 क्षेत्रों में सार्वजनिक पूर्वावलोकन में उपलब्ध है और यह सार्वजनिक बीटा में निःशुल्क है।

ब्रिटेन में 100 कंपनियों ने दी सप्ताह में चार दिन काम की सुविधा

लंदन । दुनिया में मंदी की आशंका को देखते हुए जहां कई मल्टीनेशनल कंपनियां कर्मचारियों को नौकरी से` निकाल रही है। वहीं ब्रिटेन में 100 कंपनियों ने अपने कर्मचो रियों को एक बड़ी सौगात दी है। बढ़ती महंगाई और मंदी की गिरफ्त में जा रही ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए यूनाइटेड किंगडम की 100 कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को 4 डे वर्किंग यानी सप्ताह में 4 दिन काम करने की और 3 दिन अवकाश देने की घोषणा की है। खास बात है कि इन कंपनियों ने बिना वेतन काटे सभी कर्मचारियों के लिए स्थायी रूप से हफ्ते में चार दिन वर्किंग फॉर्मूले का नियम बनाया है। इन कंपनियों का मानना है कि हफ्ते में 4 दिन काम करने से वे देश में बड़ा बदलाव लाने में कामयाब होंगे। इन 100 कंपनियों में लगभग 2600 कर्मचारी काम करते हैं। ब्रिटेन की कंपनियों का तर्क है कि सप्ताह में 5 दिन काम करने के बजाय 4 डे वर्किंग से कंपनियों को अपनी उत्पादकता में सुधार करने के लिए प्रेरित करेगा जिसका अर्थ है कि वे कम घंटों का उपयोग करके समान आउटपुट दे सकते हैं। 4 डे वर्किंग कल्चर को अपनाने वाली इन 100 कंपनियों में ब्रिटेन की दो सबसे बड़ी फर्म एटम बैंक और ग्लोबल मार्केटिंग फर्म एविन शामिल है। इन दोनों ही कंपनियों में यूके में करीब 450 कर्मचारी हैं। परीक्षण के बीच में जब इन कंपनियों से यह पूछा गया कि ट्रायल कैसा चल रहा है तो 80 से ज्यादा कंपनियों ने कहा कि सप्ताह में चार दिन काम उनके कारोबार के लिए अच्छे से काम कर रहा है।

व्यूसोनिक ने भारत में लॉन्च किए नए प्रोजेक्टर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

विजुअल सॉल्यूशंस के अग्रणी वैश्विक प्रदाता व्यूसोनिक ने मंगलवार को भारत में नए स्मार्ट एलईडी होम प्रोजेक्टर- एक्स1 और एक्स2 लॉन्च किए।व्यूसोनिक एक्स1 और एक्स2 प्रोजेक्टर की कीमत क्रमशः 1,99,000 रुपये और 2,25,000 रुपये है। व्यूसोनिक इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट सेल्स एंड मार्केटिंग मुनीर अहमद ने एक बयान में कहा, प्रोजेक्टर का लक्ष्य भारतीय प्रोजेक्टर बाजार में सर्वश्रेष्ठ घरेलू मनोरंजन अनुभव प्रदान करना है। हम अपने नए एलईडी प्रोजेक्टर सॉल्यूशन्स के साथ होम एंटरटेनमेंट सेगमेंट को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपने एलईडी प्रोजेक्टर की तीसरी पीढ़ी के साथ इस क्षेत्र को और विकसित और सशक्त बनाने का भी लक्ष्य रखते हैं। इन प्रोजेक्टरों की मुख्य यूएसपी में से एक यह है कि वे किसी भी समय बड़ी स्क्रीन पर महत्वपूर्ण इंस्टॉलेशन और सेटअप के बिना इमर्सिव ऑडियो-विजुअल प्रदान करते हैं। बेहतर ऑडियो अनुभव के लिए प्रोजेक्टर में बिल्ट-इन हरमन कार्डन स्पीकर है, जो उन्हें फिल्मों, लाइव स्पोर्ट्स और वीडियो गेम्स की होम स्क्रीनिंग के लिए आदर्श बनाता है। थर्ड जेनरेशन की एलईडी तकनीक के साथ, ये प्रोजेक्टर 30,000 घंटे के लाइवस्पेन के साथ ब्राइटर वीजुअल्स और वाइब्रेंट कलर्स प्रदान करते हैं। स्क्रीन मिररिंग फीचर स्मार्ट डिवाइस से बड़ी स्क्रीन पर आसानी से स्ट्रीमिंग की अनुमति देता है, साथ ही प्रोजेक्टर गेमिंग कंसोल को यूएसबी-सी पोर्ट के माध्यम से कनेक्ट करने की अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त, प्रोजेक्टर आपके स्मार्टफोन से व्यक्तिगत आनंद के लिए ब्लूटूथ हेडफोन संलग्न करने के लिए आसान ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और वाई-फाई कनेक्शन जैसी सुविधाओं से भरे हुए हैं।

मित्रा फैशन व ब्यूटी प्रभावितों की उपस्थिति में 2 दिसंबर को अपने पहले क्रिएटर फेस्ट की करेगा मेजबानी

बेंगलुरु। (एजेंसी)

क्रिएटर इकोसिस्टम को सशक्त बनाने की अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के तहत, मित्रा ने मंगलवार को अपने पहले क्रिएटर फेस्ट की घोषणा की, जो 2 दिसंबर को मुंबई में होगा।यह बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम मित्रा के एंड ऑफ रीजन सेल (हस्स्द्धरु) (ईओआरएस) के 17वें संस्करण से पहले फैशन और ब्यूटी के क्षेत्र में भारत के लोकप्रिय और बहुचर्चित कंटेंट क्रिएटर्स को सम्मानित करेगा और पहचानेगा। क्रिएटर फेस्ट क्रिएटर्स के लिए मित्रा का अब तक का सबसे बड़ा ऑन-ग्राउंड इवेंट होने के लिए तैयार है, जो क्रिएटर फेनोमेनन के महत्व और क्षमता को उजागर करता है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कंटेंट क्रिएटर्स मित्रा की सोशल कॉमर्स यात्रा के लिए महत्वपूर्ण हैं, ताकि आकर्षक कंटेंट के माध्यम से कॉमर्स को निर्बाध रूप से चलाया और एकीकृत किया जा सके, जिससे प्लेटफॉर्म पर समझदार फैशन-फॉरवर्ड उपभोक्ताओं के बीच एडॉप्शन, स्टिकीनेस और एंगेजमेंट का निर्माण हो सके। मित्रा में सोशल कॉमर्स के सीनियर डायरेक्टर, अरुण देवनाथन ने कहा, यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक इवेंट होगी और क्रिएटर अर्थव्यवस्था के प्रति हमारी वचनबद्धता का एक उपयुक्त विस्तार होगा। पिछले वर्ष में, हमारे अग्रणी सामाजिक वाणिज्य प्रस्ताव, एम-लाइव और मित्रा स्टूडियो, दोनों क्रिएटर्स और ब्रांडों से समान रूप से बड़े पैमाने पर अपनाए गए हैं। उन्होंने कहा, मित्रा क्रिएटर्स पास जैसी पहलों के साथ जमीनी स्तर से क्रिएटर्स को सक्षम बनाना जारी रखता है, नवोदित कंटेंट क्रिएटर्स के लिए अपनी तरह का पहला शॉपिंग पास, नवोदित और स्थापित क्रिएटर्स के लिए गो-टू प्लेटफॉर्म के रूप में हमारे ब्रांड की स्थिति को और मजबूत करता है। कंपनी ने कहा कि क्रिएटर फेस्ट बातचीत, एंगेजमेंट और मौज-मस्ती के साथ एक भव्य उत्सव होगा। यह कार्यक्रम ईओआरएस-17 विशेष की एक झलक प्रदान करता है और साथ ही साथ ईओआरएस अनुभव क्षेत्र, जहां घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड ऑन-स्पॉट ऑफर और अन्य के साथ अपने सीजन के मर्चेंडाइज की झलक देंगे, मित्रा नेतृत्व द्वारा क्या होगा। फैशनिस्ता कोमल पांडे और डॉली सिंह, सुशांत दिवगीकर और अंकुश बहुगुणा सहित भारत के कुछ प्रमुख क्रिएटर्स के साथ पैनल चर्चा होगी।

सैमसंग के कार्यकारी का खुलासा- फरवरी की शुरुआत में गैलेक्सी एस23 लॉन्च इवेंट होगा आयोजित

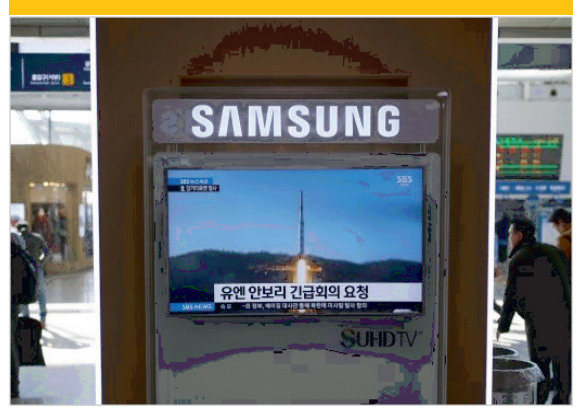

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

टेक दिग्गज सैमसंग के कार्यकारी ने खुलासा किया है कि आगामी अगली पीढ़ी के फ्लैगशिप स्मार्टफोन सीरीज, गैलेक्सी एस23 को अनपैक्ड इवेंट में लॉन्च किया जाएगा, जो फरवरी के पहले सप्ताह के लिए निर्धारित है।गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि कार्यकारी ने शहर या सटीक लॉन्च की तारीख को निर्दिष्ट नहीं किया, लेकिन यह आयोजन सैन फ्रांसिस्को में होने की उम्मीद है।महामारी के बाद से, यह व्यक्तिगत रूप से आयोजित होने वाला पहला अनपैक्ड इवेंट होगा। रिपोर्ट में कार्यकारी के हवाले से कहा गया है, एस23 सीरीज अमेरिका में हमारे अपने अनपैक्ड इवेंट के दौरान दिखाई जाएगी, जो फरवरी में आयोजित होगी। गैलेक्सी एस23 लाइनअप में तीन मॉडल होंगे, जिनमें गैलेक्सी एस23, गैलेक्सी एस23 प्लस और गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में, एक अन्य रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया था कि टेक दिग्गज के अगले साल फरवरी की शुरुआत में गैलेक्सी एस23 सीरीज लॉन्च करने की संभावना है। पिछले हफ्ते यह बताया गया था कि गैलेक्सी एस23 सीरीज में क्वालकॉम की तीसरी पीढ़ी का अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट स्कैनर होगा। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि इसमें वही 3डी सोनिक मैक्स सेंसर क्वालकॉम होगा जो इस साल की शुरुआत में पेश किया गया था या एक पूरी तरह से अलग फिंगरप्रिंट स्कैनर होगा।

यस बैंक जेसी फ्लावर्स एआरसी में अतिरिक्त 10% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा: विवरण

(एजेंसी)

निजी क्षेत्र के ऋणदाता यस बैंक ने जे.सी. फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन के साथ शेयर सब्सक्रिप्शन और खरीद समझौता किया है, साथ ही जेसीएफ एआरसी, जेसी फ्लावर्स एआरसी के साथ शेयरधारकों का समझौता किया है और Emso एसेट मैनेजमेंट सोमवार को। बैंक जेसी फ्लावर्स एआरसी में 19.9% तक की हिस्सेदारी की पूंजी हासिल करना चाहता है, जो आवश्यक विनियामक अनुमोदन के अधीन है, मुंबई स्थित निजी ऋणदाता ने घरेलू बाजारों में कहा। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यस बैंक जेसी फ्लावर्स एआरसी में जेसी फ्लावर्स के साथ साझेदारी में अल्पसंख्यक शेयरधारक के रूप में भाग लेने के लिए तत्पर है, ताकि यह संपत्ति पुनर्निर्माण के कारोबार में भाग ले सके। बैंक ने पहले ही जेसी फ्लावर्स एआरसी में 9.9% हिस्सेदारी या कुल 1,23,70,050 इक्विटी शेयरों को 11.43 रुपये प्रति शेयर पर अधिग्रहित कर लिया है, और अतिरिक्त 10% शेयरधारिता का अधिग्रहण आरबीआई से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद किया जाएगा।

भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच होने वाले अंतिम मुकाबले में सुर्य कुमार यादव बना सकते हैं नया रिकॉर्ड

नेपियर (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी वनडे सीरीज में 30 नवंबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान में सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला खेला जाएगा। मेजबान टीम न्यूजीलैंड इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में अपनी साख बचाने और सीरीज को ड्रॉ कराने के लिए मैदान पर उतरेगी। टी20 के सरताज सूर्यकुमार यादव जहां इस सीरीज में अब तक अपना दम नहीं दिखा सके हैं वहीं उनके पास अगले वनडे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर नया इतिहास रचने का मौका होगा। सूर्य कुमार यादव के पास इस मैच में नई उपलब्धि हासिल करने का मौका है। इस मैच में सूर्यकुमार नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम कर सकते है।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे वनडे मुकाबले में सिर्फ छक्के जड़ने हैं, जिसके बाद उनके नाम नया रिकॉर्ड हो जाएगा। इस मुकाबले में सूर्य कुमार यादव अगर पांच छक्के जड़ते हैं तो वो भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे।

ये रिकॉर्ड बना सकते हैं सूर्य कुमार यादवः दरअसल एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक छक्के जड़ने का रिकॉर्ड हिटमैन रोहित शर्मा के नाम है। सभी फॉर्मेट में मिलाकर रोहित शर्मा ने वर्ष 2019 में कुल 78 छक्के जड़े थे। अगर सूर्य कुमार यादव की बात करें तो इस वर्ष उन्होंने 74 छक्के जड़े हैं। अगर सूर्य कुमार यादव पांच छक्के जड़ देते हैं तो वो रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे। एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक छक्के लगाने में रोहित शर्मा शीर्ष पर है। बता दें कि रोहित शर्मा लगातार तीन वर्षों तक छक्के जड़ने में सबसे अव्वल रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2019 में 78, वर्ष 2018 में 74 और वर्ष 2017 में 65 छक्के लगाए थे। रोहित शर्मा ने एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड तोड़ा था जिन्होंने वर्ष 2015 में सभी फॉर्मेट में कुल 63 छक्के लगाए थे।

दूसरे वनडे में जड़े तीन छक्केः सूर्य कुमार यादव अपने फॉर्म में आने के बाद गेंजबाजों की धज्जियां उड़ाने में माहिर है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में सूर्य कुार यादव ने बारिश होने के बाद भी दमदार पारी खेली थी। उन्होंने 25 गेंदों में 34 रन बनाए थे। उन्होंने तीन छक्कों की मदद से 34 रनों का स्कोर जोड़ा था। वैसे ये कहना गलत नहीं होगा कि वर्ष 2022 स्टार बल्लेबाज सूर्य कुमार यादव के नाम रहा है। टी20 फॉर्मेट में शीर्ष खिलाड़ी बनने के साथ उन्होंने सबसे अधिक रन बनाए है।

आखिरी वनडे पर बारिश की गाज नहीं गिरने की दुआ करेगी टीम इंडिया

क्राइस्टचर्च। खराब मौसम से आजिज आ चुकी भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को आखिरी वनडे में दुआ करेगी कि बारिश नहीं हो ताकि उसे बराबरी का मौका मिल सके। क्राइस्टचर्च में कल बारिश का अनुमान है और अगर ऐसा हुआ तो भारतीय टीम के युवा क्रिकेटरों के लिये इससे निराशाजनक कुछ नहीं होगा। सीमित ओवरों के पांच मैचों में से एक वनडे और एक टी20 बेनतीजा रहे और एक टी20 मैच बारिश के कारण डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर टाई हो गया। शिखर धवन की टीम आखिरी वनडे जीतकर श्रृंखला में बराबरी करना चाहेगी। हेगले ओवल मैदान पारंपरिक तौर पर सीम गेंदबाजों का मददगार रहा है और यहां पिछले कुछ साल में औसत स्कोर 230 रहा है। पहले पावरप्ले (पहले दस ओवर) में भारतीय बल्लेबाजी चर्चा का विषय रही है। वनडे क्रिकेट में शानदार सलामी बल्लेबाज धवन खुद समझते हैं कि अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप के लिये टीम में जगह सुनिश्चित करने के लिये उन्हें अपने खेल में काफी बदलाव करना होगा।

महिला आईपीएल : फेंचाइजी के लिए बेस प्राइज निर्धारित !, जानें कितनी रखी कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए बेस प्राइस तय करने का फैसला किया है। कई रिपोर्टों के अनुसार देश का शीर्ष क्रिकेट बोर्ड आगामी महिला आईपीएल के लिए पांच फ्रेंचाइजी की नीलामी करने की योजना बना रहा है। महिला आईपीएल अब वास्तविकता बनने के लिए तैयार है क्योंकि फरवरी में महिला टी20 विश्व कप के समापन के बाद मार्च 2023 में प्रतियोगिता अस्थायी रूप से शुरू होने की संभावना है।

400 करोड़ बेस वेल्यू

रिपोर्ट्स के मुताबिक बोर्ड ने 400 करोड़ रुपए आधार मूल्य चिह्नित किया है। यह मुल्य 2007-08 में बेची गई सबसे महंगी आईपीएल फ्रेंचाइजी के मूल्य को ध्यान में रखा है। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों ने एक मीडिया हाउस से कहा, 'बेंचमार्क को कहीं सेट किया जाना था और बीसीसीआई मांग और बाजार के हित को ध्यान में रखते हुए इस पर बाजार की थोड़ी जानकारी जुटा रहा था।'

पैसे चुकाने के लिए मिलेगा 4-5 साल का समय

जब आईपीएल 2008 में शुरू हुआ, उद्घाटन सत्र से ठीक पहले मुंबई फ्रेंचाइजी को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को बेच दिया गया था। फ्रेंचाइजी को बड़े पैमाने पर 446 करोड़ रुपए में बेचा गया, जिससे यह घरेलू लीग में बिकने वाली सबसे महंगी टीम बन गई। जैसा कि बीसीसीआई ने आधार मूल्य के संदर्भ

में बेंचमार्क निर्धारित किया है, बोर्ड यह भी समझता है कि बेचे गए प्रत्येक फ्रैंचाइजी का मूल्य उन्हें पार्टियों के हित के आधार पर 1000 और 1500 करोड़ या उससे भी अधिक के बीच कहीं न कहीं मिलेगा। सूत्र ने कहा, 'विजेता फ्रेंचाइजी पांच साल की अवधि में समान किश्तों में बीसीसीआई को स्वामित्व शुल्क का भुगतान करेगी और पुरुषों के आईपीएल की तरह हमेशा के लिए संपत्ति का मालिक बनी रहेगी।'

प्रस्तावित रोडमैप तैयार

बीसीसीआई ने एक रोडमैप प्रस्तावित किया है जिसमें कुल 22 मैच शामिल हैं जिसमें प्रत्येक फ्रेंचाइजी में अधिकतम छह विदेशी खिलाड़ियों के साथ 18 खिलाड़ी शामिल हैं। इसके अलावा पांच से अधिक विदेशी खिलाड़ी एक मैच में भाग नहीं ले सकते हैं जिसमें चार 'पूर्ण सदस्य' देशों से और एक 'सहयोगी' राष्ट्र से होगा।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का ट्विट, पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला की अपनी मैच फीस यहां बाढ पीड़ितों की मदद के लिए करेंगे दान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला की अपनी मैच फीस यहां बाढ पीड़ितों की मदद के लिये दान करने का फैसला किया है। इंग्लैंड की टीम 17 साल में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होगी। स्टोक्स ने ट्वीट किया ,'' मैं टेस्ट श्रृंखला से अपनी मैच फीस पाकिस्तान बाढ पीड़ितों को दूंगा।''

उन्होंने लिखा ,'' बाढ ने पाकिस्तान में काफी तबाही मचाई है। इसका देश पर और यहां के लोगों पर काफी असर पड़ा है।इस खेल ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मेरा मानना है कि क्रिकेट के इतर भी मुझे कुछ योगदान देना चाहिये।'' इंग्लैंड विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में फाइनल की दौड़ से बाहर सातवें स्थान पर है जबकि पाकिस्तान पांचवें स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच के लिए भारतीय हॉकी टीम के डिफेंस पर होगा फोकस

एडीलेड (एजेंसी)। लगातार दो पराजय झेलने के बाद भारतीय हॉकी टीम बुधवार को तीसरे मैच से पहले दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डिफेंस की अपनी कमजोरियों से पार पाना चाहेगी। रक्षापंक्ति की लगातार चूक के कारण दुनिया की पांचवें नंबर की टीम भारत को पहले दो टेस्ट में शुरूआती बढ़त बनाने के बावजूद पराजय झेलनी पड़ी। टीम को तीसरे मैच में इससे उबरना होगा।

पहले टेस्ट में आखिरी मिनट में गोल गंवाने के कारण भारत को 4.5 से पराजय मिली। दूसरे मैच में तीसरे मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गोल के दम पर भारत ने बढ़त बना ली थी लेकिन आखिरी क्वार्टर में गोल

गंवाकर 4.7 से हार गई। दोनों टीमों के लिए यह श्रृंखला भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 जनवरी से शुरू हो रहे विश्व कप की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण है।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हमने पहले दो मैचों में काफी गलतियां की। ऑस्ट्रेलिया मौकों को भुनाने में माहिर है लिहाजा हमें अपना डिफेंस बेहतर करना होगा।' दोनों मैचों में पेनल्टी कॉर्नर की बरसात हुई और भारत को पेनल्टी कॉर्नर गंवाने से भी बचना होगा।

बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भारत की ऑस्ट्रेलिया के हाथों सात गोल से हार के बाद दोनों टीमों का यह पहला मुकाबला है। हरमनप्रीत ने कहा, 'रफ्तार और फिटनेस के मामले में हम ऑस्ट्रेलिया से कम नहीं हैं। युवा खिलाड़ियों ने दबाव का बखूबी सामना किया है। इस तरह की मजबूत टीम के खिलाफ खेलने का अनुभव विश्व कप में काफी काम आएगा।'

टिम साउदी बोले, टी 20 लीगों के लिये और खिलाड़ी छोड़ सकते हैं केंद्रीय अनुबंध

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का मानना है कि आईपीएल समेत दुनिया भर में लुभावनी टी20 लीग के आने से क्रिकेट का परिदृश्य बदल गया है और अब अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय अनुबंध छोड़ सकते हैं। न्यूजीलैंड के तीन खिलाड़ी ट्रेंट बोल्ट, मार्टिन गुप्टिल और जिम्मी नीशाम अभी तक अलग अलग लीग में खेलने के लिये अपने केंद्रीय अनुबंध छोड़ चुके हैं। साउदी ने भारत के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले कहा ,'' पिछले कुछ महीने में क्रिकेट का परिदृश्य बदल चुका है। मेरा न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ अनुबंध है और मैं आईपीएल खेलूंगा। देखते हैं कि आगे क्या होता है लेकिन दो तीन साल पहले की तुलना में अब बहुत कुछ बदल चुका है।'' साउदी 2023 आईपीएल सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिये खेलेंगे। उन्होंने कहा ,'' मैं काफी आगे की नहीं सोचता। आने वाले महीनों में मुझे काफी क्रिकेट खेलनी है लेकिन सभी खिलाड़ियों को इस बदलते माहौल में सोचना होगा।'' भारत के खिलाफ पहले वनडे में तीन विकेट लेकर साउदी 300 टेस्ट, 200 वनडे और 100 टी20 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। उन्होंने कहा ,'' यह खास है क्योंकि पहले किसी ने ऐसा नहीं किया है। कैरियर खत्म होने पर जब आप पीछे मुड़कर देखेंगे तो गौरवान्वित होंगे। मैने अपने समय का पूरा मजा लिया और उम्मीद है कि आगे कई साल खेलकर और विकेट लूंगा।'' उन्होंने कहा कि वह तीनों प्रारूपों में खेलना जारी रखना चाहते हैं।

फीफा विश्व कप: 44 वर्षों का इतिहास बचाने उतरेगी मेक्सिको की टीम, करो या मरो की स्थिति में सउदी अरब के खिलाफ दिखाना होगा दम

कतर (एजेंसी)। । पिछले 44 साल में पहली बार ग्रुप चरण से बाहर होने से बचने के लिये मेक्सिको को विश्व कप फुटबॉल में ग्रुप सी के अपने आखिरी मैच में बुधवार को सउदी अरब को हर हालत में हराना होगा और दूसरे मैच का नतीजा भी अनुकूल रहने की दुआ करनी होगी। मेक्सिको पिछले सात विश्व कप में प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है लेकिन इस बार ग्रुप सी में अंकतालिका में सबसे नीचे है। उसे लुसैल स्टेडियम पर कल होने वाला मैच हर हालत में जीतना होगा।

मेक्सिको आखिरी बार 1978 विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर हुआ था। उसे जीत दर्ज करने के अलावा यह दुआ भी

करनी होगी कि लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना टीम पोलैंड से हार जाये। अगर मेक्सिको जीत जाता है और अर्जेंटीना भी अपना मैच जीत जाता है तो फैसला गोल औसत के आधार पर होगा। मेक्सिको ने अभी तक इस विश्व कप में एक भी गोल नहीं किया है। फॉरवर्ड हेनरी मार्टिन ने कहा कि अगले मैच में हमारे पास ज्यादा मौके नहीं है। हमें हर मौका भुनाना होगा। हम दूसरे मैचों पर निर्भर नहीं रहना चाहते।

मेक्सिको और पोलैंड के बीच पहला मैच गोलरहित ड्रॉ रहा था जबकि दूसरे मैच में अर्जेंटीना ने उसे 2.0 से मात दी थी। मेक्सिको 1982 में स्पेन में हुए विश्व कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर सका जबकि 1990 में इटली में विश्व कप में उस पर प्रतिबंध लगा था क्योंकि उसने कोंकाकाफ अंडर 20 टूर्नामेंट में अधिक उम्र के खिलाड़ियों को उतारा था।

फीफा विश्व कप: मेस्सी के कंधों पर फिर होगी अर्जेंटीना की जिम्मेदारी, पोलैंड के खिलाफ मुकाबले में निभानी होगी अहम भूमिका

अल रैयान(एजेंसी)। दोहा। लियोनल मेस्सी मौजूदा विश्व कप में पहले ही एक बार अर्जेंन्टीना के खेवनहार की भूमिका निभा चुके हैं और टीम को बुधवार को पोलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में भी उसने इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिससे कि टीम की नॉकआउट में जगह बनाने की राह आसान हो जाए। अर्जेन्टीना में पूजे जाने वाले मेस्सी संभवतः अपना अंतिम विश्व कप खेल रहे हैं और वह अपनी ट्रॉफियों के कैबिनेट में इस प्रतिष्ठित खिताब को भी शामिल करना चाहेंगे।

मेस्सी विश्व कप के अलावा कर बड़ा खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। पोलैंड के स्टार स्ट्राइकर रोबर्ट लेवानदोवस्की के लिए भी यह संभवतः अंतिम विश्व कप होगा। ग्रुप सी में टीम की संभावनाओं पर बात करें तो पोलैंड के खिलाफ जीत अर्जेन्टीना की नॉकआउट में जगह सुनिश्चित करेगी। मुकाबला ड्रॉ होने की स्थिति में अर्जेन्टीना की टीम या तो पोलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहेगी या फिर सऊदी अरब और मैक्सिको की टीम उसे बाहर कर सकती हैं। अर्जेन्टीना की टीम हार के बावजूद नॉकआउट की दौड़ में बनी रह सकती है लेकिन इस शर्मनाक स्थिति का सामना करना टीम के लिए आसान नहीं होगा। अर्जेन्टीना को अपने पहले मैच में सऊदी अरब के खिलाफ 1-2 की उलटफेर भरी हार का सामना करना पड़ा था और टीम अब 2002 के बाद पहली बार ग्रुप चरण से ही बाहर होने से बचने के लिए चुनौती पेश कर रही है। सऊदी अरब और मैक्सिको के बीच मुकाबला भी अर्जेन्टीना और पोलैंड के बीच होने वाले मुकाबले के साथ ही खेला जाएगा। सऊदी अरब की टीम अगर जीत दर्ज करती है तो नॉकआउट में जगह सुनिश्चित कर लेगी। ड्रॉ के साथ भी उसकी संभावना बनी रहेगी लेकिन तब मामला दूसरे ग्रुप मैच के नतीजों और अगर मगर पर निर्भर करेगा। मैक्सिको को अगर नॉकआउट की उम्मीद जीवंत रखी है तो उसे हर हाल में सऊदी अरब के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। मुकाबला ड्रॉ होने की स्थिति में मैक्सिको का सफल ग्रुप चरण में ही समाप्त हो जाएगा।

फीफा विश्व कप : मजदूरों की मौत का आंकड़ा 400-500 के बीच, कतर ने दी जानकारी

दोहा। विश्व कप के आयोजन से जुड़े कतर के एक शीर्ष अधिकारी ने पहली बार टूर्नामेंट से जुड़े मजदूरों की मौत के आंकड़े को '400 से 500 के बीच' रखा है जो दोहा की ओर से इससे पहले बताई गई किसी भी संख्या से काफी अधिक है। कतर की 'डिलीवरी और लीगेसी' से जुड़ी शीर्ष समिति के महासचिव हसन अल-थावाडी ने ब्रिटिश पत्रकार पियर्स मोर्गन को साक्षात्कार में यह आंकड़ा बताया। इसने मानवाधिकार समूहों द्वारा आलोचना और तेज होने की आशंका है। मानवाधिकार समूह पश्चिम एशिया के पहले विश्व कप की मेजबानी करने के लिए 200 अरब डॉलर से अधिक के स्टेडियम, मेट्रो लाइन और टूर्नामेंट के लिए आवश्यक नए बुनियादी ढांचे के निर्माण के दौरान प्रवासी श्रमिकों की मौत के आंकड़े के लिए कतर की आलोचना करते रहे हैं। शीर्ष समिति और कतर की सरकार ने मंगलवार को प्रतिक्रिया के आग्रह पर कोई जवाब नहीं दिया। मोर्गन ने साक्षात्कार का एक अंश ऑनलाइन डाला है जिसमें वह हसन से पूछते हैं कि विश्व कप से जुड़े कार्य करने के परिणाम स्वरूप प्रवासी श्रमिकों की मौत से जुड़ा ईमानदार, यथार्थवादी आंकड़ा क्या है?'' हसन ने कहा कि अनुमान 400 के आसपास है, 400 और 500 के बीच। मेरे पास सटीक संख्या नहीं है। लेकिन इस आंकड़े पर इससे पहले सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं की गई थी। 2014 से 2021 के अंत तक की शीर्ष समिति की रिपोर्ट में केवल विश्व कप की मेजबानी करने वाले स्टेडियमों के निर्माण और नवीनीकरण में शामिल श्रमिकों की मृत्यु की संख्या शामिल है। जारी किए गए आंकड़ों में मौतों की कुल संख्या 40 बताई गई है। इनमें से 37 मौत को कतर काम से इतर की घटनाओं के रूप में वर्णित करता है जैसे कि दिल का दौरा पड़ा। तीन मौत कार्यस्थल की घटनाओं से जुड़ी हैं। एक रिपोर्ट में महामारी के बीच कोरोना वायरस से एक कर्मचारी की मृत्यु को अलग से सूचीबद्ध किया गया है।

फीफा विश्व कप : उरूग्वे को 2-0 से हराकर पुर्तगाल अंतिम 16 में, ब्रूनो फर्नांडिस के दागे दो गोल

ब्रूनो फर्नांडिस के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने उरूग्वे को 2.0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पहले गोल के बाद जिस तरह जश्न मनाते दिखे, ऐसा लगा कि गोल उन्होंने किया है लेकिन वास्तव में अंतिम टच फर्नांडिस का था। बायीं ओर से फर्नांडिस का शॉट रोनाल्डो के सिर के ऊपर से निकलकर गोल के भीतर गया। रोनाल्डो ने अपने हाथ हवा में खोल दिये और फर्नांडिस को गले लगाया। मैदान पर लगी बड़ी स्क्रीन पर बार बार क्लोज अप रिप्ले दिखाया गया। फर्नांडिस ने स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी स्पॉट पर एक और गोल किया। आखिरी मिनट में वह गोल करने

के करीब पहुंचे लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर निकल गई और वह हैट्रिक से चूक गए। पहले मैच में घाना को 3.2 से हराने वाली पुर्तगाल टीम फ्रांस और ब्राजील के बाद अंतिम 16 में पहुंचने वाली तीसरी टीम है। उरूग्वे के दो मैचों में एक अंक है और उसे आगे बढने के लिये शुक्रवार को घाना को हराना होगा। इस मैच में पुर्तगाल के 39 वर्ष के डिफेंडर पेपे विश्व कप में खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। विश्व कप में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी रोजर मिला है जो 1994 में 42 वर्ष की उम्र में कैमरून के लिये खेले थे। मैच के दौरान एक दर्शक रंग बिरंगा ध्वज लिये मैदान पर उतर पड़ा जिसने सुपरमैन वाली नीली टीशर्ट पहन रखी थी जिस पर लिखा था ,'' सेव यूक्रेन ''। सुरक्षा अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया और बाहर ले गए। इससे पहले उसने झंडा जमीन पर रख दिया था। रैफरी ने बाद में झंडा उठाकर साइड में रखा जहां से कर्मचारी उसे उठाकर ले गए। उस व्यक्ति की टीशर्ट के पीछे लिखा था ,' ईरानी महिलाओं के लिये सम्मान ''।

'उसकी गति से मुझे बल्लेबाजों को चकमा देने में मिलती है मदद', उमरान को लेकर अर्शदीप का बड़ा बयान

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। उनकी गेंदबाजी शैली में जमीन आसमान का अंतर है लेकिन अर्शदीप सिंह को उमरान मलिक की तेज रफ्तार से फायदा मिलता है क्योंकि उनकी गति में अंतर से बल्लेबाजों को सामंजस्य बिठाने में दिक्कत होती है। जम्मू के तेज गंदबाज उमरान विश्व क्रिकेट में इंग्लैंड के मार्क वुड और दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नॉर्किया के साथ सबसे तेज गेंदबाज हैं जो 150 किलोमीटर की रफ्तार से लगातार गेंद डाल सकते हैं। अर्शदीप स्विंग गेंदबाज हैं जो 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से गेंदबाजी करते हैं। दोनों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आकलैंड में पहले मैच में वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया और अर्शदीप चाहते हैं कि यह जोड़ी बनी रहे।

उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले कहा,''उमरान के साथ गेंदबाजी करना हमेशा अच्छा लगता है। वह खुशदिल इंसान है और ड्रेसिंग रूम का माहौल भी अच्छा रहता है।'' उन्होंने कहा ,'' जहां तक गेंदबाजी का सवाल है तो उमरान की गेंदबाजी से मुझे काफी फायदा होता है क्योंकि बल्लेबाज को 155 से 135 की रफ्तार में ढलने में दिक्कत आती है। वे गति से चकमा खा जाते हैं। उम्मीद है कि आगे भी हम इस तरह एक दूसरे के साथ गेंदबाजी करते रहेंगे।'' टी20 में अपनी पहचान बना चुके अर्शदीप 50 ओवरों के क्रिकेट में खेलते हुए बहुत बदलाव नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा ,'' मेरा तरीका शुरू में आक्रामक और आखिर में रक्षात्मक गेंदबाजी का है। वनडे में भी मौका मिलने पर ऐसा ही करूंगा।'' अपने छोटे से कैरियर में अर्शदीप आलोचकों का कोपभाजन भी बन चुके हैं। दुबई में एशिया कप के मैच में भारत की पाकिस्तान के हाथों हार के बाद नशे में धुत एक प्रशंसक ने उन्हें उस समय अपशब्द कहे जब वह टीम बस में बैठने जा रहे थे। अर्शदीप ने कहा ,'' आप अच्छा खेलते हैं तो प्यार और तारीफें मिलती है और नहीं खेलते तो प्रशंसकों को हमारी आलोचना का अधिकार है। उन्हें टीम से और खेल से प्यार है और आपको प्यार और आलोचना दोनों को स्वीकार करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश-विदेश की यात्राएं करना आज के दौर में मुश्किल भरा काम नहीं है। चाहे बिजनेस के लिए यात्राएं करनी हों या एडवेंचर के लिए या फिर छुट्टियां बिताने के लिए। उन्नात ट्रांसपोर्ट और संचार साधनों से सब कुछ आसान हो गया है। टूरिज्म सेक्टर देश की जीडीपी में भी बड़ा योगदान दे रहा है क्योंकि पर्यटकों के जरिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने का यह बड़ा स्रोत है। इतना ही नहीं, लाखों लोगों को टूरिज्म विभाग, ट्रैवल एजेंसी, होटल, एयरलाइंस, ट्रांसपोर्ट एजेंसी या फिर कार्गो कंपनियों में रोजगार भी मिला हुआ है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, हरियाणा
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

टूरिज्म में इन 8 क्षेत्रों में मिलेंगे बेहतरीन मौके

वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, नए वीसा सुधार, अतुल्य भारत अभियान और सरकार द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा जोर दिए जाने से भारतीय ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में आने वाले वर्षों में और तेजी आने की उम्मीद है। एक अनुमान के मुताबिक, बीते कुछ वर्षों में करीब 9 प्रतिशत (3.74 करोड़) लोगों को टूरिज्म सेक्टर में रोजगार मिला। देश की भौगोलिक और सांस्कृतिक-ऐतिहासिक विरासत ऐसी है कि दक्षिण एशिया घूमने आने वाले करीब 50 प्रतिशत पर्यटक हर साल भारत आना पसंद करते हैं। यही वजह है कि टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

करियर के अवसर

चूंकि टूरिज्म उद्योग में कार्य का दायरा काफी विस्तृत है, इसलिए यहां युवाओं के लिए सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में अनेक प्रकार की संभावनाएं मौजूद हैं। टूरिज्म से संबंधित कोर्स करने के बाद आप विभिन्न विमानन कंपनियों, होटल आदि में मैनेजर, टूर मैनेजर, कस्टमर सेल्स एग्जीक्यूटिव, ट्रैवल प्रोडक्ट डिजाइनर, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, ट्रैवल एजुकेटर, गाइड, दुभाषिया आदि के तौर पर जॉब पा सकते हैं। इसी तरह ट्रैवल एजेंसीज में भी ढेर सारे अवसर हैं, जहां आप मैनेजर, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर ऑपरेटर आदि के रूप में सेवा दे सकते हैं। कहने का मतलब यह है कि टूरिज्म सेक्टर में आपके लिए करियर ग्रोथ और पैसा दोनों हैं। अगर चाहें, तो कुछ वर्षों के अनुभव के बाद खुद का ट्रैवल बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। धीरे-धीरे पासपोर्ट एंड वीसा हैंडलिंग, डेस्टिनेशन मैनेजर, ट्रैवल कंसल्टेंट, फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट, एचआर, बिजनेस डेवलपमेंट, पीआर, इवेंट मैनेजमेंट जैसे दूसरे गैर-परंपरागत क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए जॉब की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। मेडिकल टूरिज्म भी ऐसा ही एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है, जहां हेल्थ प्रोफेशनल्स के लिए काफी स्कोप है।

कहां हैं मौके?

पर्यटन विभाग - इससे संबंधित कोर्स करने के बाद आप पर्यटन विभाग में रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर प्लानर्स, टूर गाइड जैसे पदों पर सरकारी नौकरी में जा सकते हैं। यूपीएससी या पीएससी परीक्षा पास कर केंद्र व राज्यों के पर्यटन विभागों में अफसर भी बना जा सकता है।

एयरलाइंस - पर्यटन उद्योग का यह सबसे आकर्षक क्षेत्र माना जाता है। आप एयर होस्टेस, ग्राउंड सपोर्ट एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरलाइन ग्राउंड ऑपरेशन, एयरलाइन टिकिटिंग, होटल मैनेजमेंट या टूरिज्म जैसे कोर्स करके यहां ग्राउंड स्टाफ या इन-फ्लाइट एसोसिएट, ट्रैफिक असिस्टेंट, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, क्लाइंट सर्विसिंग स्टाफ के रूप में करियर बना सकते हैं।

होटल - किसी भी देश की ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा हैं होटल्स। यही कारण है कि यह क्षेत्र देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। तमाम तरह के जॉब के अवसर भी लोगों को विभिन्न स्तरों के होटलों में मिल रहे हैं।

ट्रांसपोर्ट - हवाई, सड़क, रेल और समुद्री मार्गों से परिवहन के क्षेत्र में को-ऑर्डिनेटर, सुपरवाइजर, ड्राइवर आदि के रूप में बड़ी संख्या में जॉब के अवसर हैं।

टूर ऑपरेटर्स - ऐसे प्रोफेशनल्स अपने क्लाइंट के लिए टूर की व्यवस्था करते हैं, उन्हें विभिन्न पर्यटन स्थलों पर घुमाने के लिए ले जाते हैं, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइंबिंग आदि जैसे साहसिक खेलों में टूरिस्ट की मदद करते हैं। क्लाइंट की यात्रा और ठहरने का प्रबंध भी यही प्रोफेशनल्स करते हैं। अगर आपका व्यक्तित्व अच्छा है, आप पर्यटन स्थलों की अच्छी जानकारी रखते हैं और आपकी लैंग्वेज स्किल अच्छी है, तो आप इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

टाइम शेयर कंपनीज - ऐसी कंपनियां हॉलीडे रिसॉर्ट को मैनेज करने का काम करती हैं। विदेशी कंपनियों के रिसॉर्ट के साथ भी इनका बिजनेस टाई-अप होता है। आप ऐसी कंपनियों में काम करने का मौका पा सकते हैं।

हॉलीडे कंसल्टेंसी - ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में अभी यह नया क्षेत्र है। हॉलीडे कंसल्टेंट टूर से जुड़ी हर तरह की जानकारी अपने क्लाइंट को उपलब्ध कराते हैं, जैसे क्लाइंट के लिए ट्रैवल प्लान करना, टिकट बुकिंग करना आदि।

बैंक - बैंकों में भी विदेशी मुद्रा के लिए आने वाले टूरिस्ट की मदद हेतु प्रोफेशनल्स की सेवाएं ली जाती हैं। तमाम बैंक आजकल पर्यटकों के लिए होटल और टिकट बुकिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। बैंकों में ऐसे जॉब के लिए आम तौर पर एमबीए स्टूडेंट्स को हायरिंग में खास तवज्जो दी जाती है।

पर्सनल स्किल्स

ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में कम्युनिकेशन स्किल सबसे जरूरी है क्योंकि यहां लोगों को अक्सर पर्यटकों से बातचीत करके उनकी जिज्ञासाओं को शांत करना होता है। आपका व्यवहार कुशल होना भी जरूरी है। अच्छी पर्सनैलिटी से फायदा होगा। क्षेत्र विशेष की भौगोलिक जानकारी भी होनी चाहिए। अगर आप मैनेजेरियल या एडमिनिस्ट्रेटिव पद पर हैं, तो लीडरशिप क्वॉलिटी के साथ-साथ त्वरित समस्या समाधान की क्षमता और टीमवर्क की भावना भी आपमें होना जरूरी है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

टूरिज्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए डिग्री, पीजी डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में कई प्रकार के कोर्स उपलब्ध हैं। डिग्री कोर्स की अवधि 3 वर्ष होती है। इसमें किसी भी स्ट्रीम के युवा 12वीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं। अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो टूरिज्म में पीजी या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। कुछ संस्थान सर्टिफिकेट कोर्स भी कराते हैं, जिसे 12वीं के बाद करके आप टूर एजेंसीज या टूर प्रमोशन एंड सेल्स कंपनियों में जॉब पा सकते हैं।

सैलरी कितनी?

टूरिज्म उद्योग में सैलरी काफी आकर्षक है। एयरलाइंस, ट्रैवल एजेंसीज आदि में ऐसे प्रोफेशनल्स और उनके परिवारों को कई मुफ्त सुविधाएं भी मिलती हैं। प्रोफेशनल्स को शुरुआत में 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 40 हजार से लेकर 1 लाख रुपए महीना तक कमा सकते हैं।

कौन-से कोर्स?

- बैचलर ऑफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज
- मास्टर ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- फाउंडेशन कोर्स इन ट्रैवल एंड टूरिज्म
- ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट कोर्स
- इंटीग्रेटेड डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट।

ग्रुप डिस्कशन में पीछे न रह जाएं, अपनाएं ये टिप्स

कुछ एग्जाम में ग्रुप डिस्कशन का बहुत बड़ा रोल होता है। कई बार आप लिखित परीक्षा में तो अच्छे अंक से पास हो जाते हैं लेकिन जब ग्रुप डिस्कशन का समय आता है तो वहां विफल हो जाते हैं। आखिर ऐसी कौन-कौन सी बातें है जिनका ध्यान रखा जाए तो आप ग्रुप डिस्कशन में भी बाजी मार सकते हैं। सबसे पहली बात इसके लिए आपको अपडेट होने के साथ-साथ आपकी बॉडी लैंग्वेज भी अच्छी होनी चाहिए।

- जीडी के दौरान किसी एक मेंबर की और फोकस न करें। सभी पर नजर आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- जीडी में आप अपनी बात तभी रख पाएंगे जब आपको जीडी वाले टॉपिक का नॉलेज हो। अगर नॉलेज नहीं है तो आप अच्छे से डिस्कशन नहीं कर पाएंगे।
- इस बात का जरूर ध्यान रखें कि जब दूसरा बोल रहा हो तो उसे बीच में टोके नहीं, चाहे आप उसकी बात से सहमत न भी हों। जब आपको मौका मिले तो अपनी बात को विनम्रता के साथ कहें।
- जो भी बोलें बिलकुल साफ बोलें, वरना सामने बाकी लोगों को या तो समझ नहीं आएगा या वो आपकी बात का कोई और मतलब निकाल सकते हैं।
- ध्यान रखें कि जिस टॉपिक पर डिस्कशन हो रहा है, उससे भटके नहीं। टॉपिक की थीम को ध्यान में रखकर उसी पर अपना व्यूज रखें।
- पॉजिटिव एटीट्यूड रखें और कॉन्फिडेंस बनाए रखें। लेकिन ध्यान रखें कि न तो किसी को नीचा दिखाना है और ही खुद को बहुत नॉलेजेबल शो करना है।
- आपको बस अपनी बात शेयर करनी है न कि किसी को मानने के लिए फोर्स करना है।
- जो भी बोलें उसमें दम होना चाहिए। आपकी बात में अगर प्वॉइंट नहीं होगा तो आप इंम्पैक्ट डालने से चूक जाएंगे।
- दूसरे जो बोल रहे हैं, उसे ध्यान से सुनें। सिर्फ खुद ही न बोलते चले जाएं। इससे आपका नॉलेज बढ़ेगा और आप एक अच्छा डिस्कशन कर पाएंगे।

इन 5 तरीकों से एल्यूमिनी नेटवर्किंग के जरिए ढूंढे जॉब

जॉब सर्च में एल्यूमिनी सबसे मूल्यवान नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स हो सकते हैं, बशर्ते आप इसका प्रभावी तरीके से उपयोग करें। आज के समय में प्रभावकारी एल्यूमिनी नेटवर्किंग टेक्निक्स ज्यादा फोकस्ड होती है जिसके विशेष टारगेट, गोल और एक्शंस होते हैं। अगर आप यह सीख लें कि इनका सही तरीके से फायदा किस तरह उठा सकते हैं तो एल्यूमिनी नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स बेहतरी नौकरी दिलवाने में मददगार साबित हो सकता है। आप एल्यूमिनी की नेटवर्किंग का उपयोग कर इन तरीकों से जॉब सर्च कर सकते हैं -

- एल्यूमिनी नेटवर्क का जानकारी लेने में आप अच्छा यूज कर सकते हैं। आपको टारगेट कंपनियों के एचआर मैनेजर्स को लेकर जानकारी मिलेगी और आपकी पहुंच भी बनेगी। हो सकता है कि नेटवर्किंग के जरिए आप आपने टारगेट तक पहुंच जाए। इसके लिए आपको सही एल्यूमिनी के पहचाने की जरूरत है।
- आप उस एल्यूमिनी से संपर्क कर सकते हैं जो कि कंपनी, उसके डिपार्टमेंट या मैनेजर की जानकारी दे। आप यह पता कर सकते हैं वाकई कंपनी में वैकेंसी है या नहीं। कई बार कंपनी अपनी वेबसाइट पर करंट ओपनिंग में वैकेंसी मेंशन नहीं करती लेकिन उन्हें हायरिंग की जरूरत होती है। आप बेहतर तरीके से एल्यूमिनी से यह पूछ सकते हैं।
- सही बात तो यह है कि सही एल्यूमिनी से आप आसानी से संपर्क नहीं साध सकते क्योंकि वे व्यस्त इंसान होते हैं। हालांकि अगर आपका वह साथ दें तो वे कंपनी और आपके बीच में ब्रिज का काम करेगा।
- कई बार हायरिंग मैनेजर अपने स्टाफ से किसी पोस्ट के लिए कैंडीडेट की सिफारिश चाहता है। ऐसे में यह आपके लिए अच्छी बात होती है। अगर आप एल्यूमिनी से टच में रहेंगे तो ऐसे मौके पर सबसे पहले आपका नाम ही उसके दिमाग में आएगा। साथ ही आपको यह अपना इरादा उसे बताकर रखना होगा कि अगर उसकी कंपनी में कोई वैकेंसी निकलेगी तो आप इच्छुक होंगे।
- इसके अलावा एल्यूमिनी से टच में रहने पर उसे संपर्क सूत्रों के हवाले से भी आपको जॉब सर्च में आसानी होगी। इसका सीधा मतलब यह है कि उसके कॉन्टेक्ट्स भी कहीं न कहीं सोशल मीडिया पर आपसे जुड़े होंगे।

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने चीनी कंपनी के सड़क प्रोजेक्ट पर लगाई रोक, भारतीय कंपनी ने किया है केस

काठमांडू। चीन की विस्तारवादी नीति से तो हर देश भलि-भांति वाकिफ है। पड़ोसी देशों की जमीन को कब्जाने की उसकी नीति हमेशा से दुनिया के सामने आती रही है। बात चाहे बांग्लादेश की तीस्ता रिवर में जासूसी जहाज तैनात करने की हो या नेपाल के अहम सड़क परियोजनाएं। लेकिन नेपाल की सुप्रीम कोर्ट से चीन को करारा झटका लगा है और उसे भारत की कूटनीतिक जीत के रूप में भी देखा जा रहा है। दरअसल, नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने चीन के सड़क परियोजना पर रोक लगा दी है। इस प्रोजेक्ट को नेपाल आर्मी की तरफ से चाइना फर्स्ट हाइवे इंजीनियर को दिया गया था। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने नेपाल सेना द्वारा चाइना फर्स्ट हाईवे इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को 1,500 करोड़ से अधिक के सड़क निर्माण के ठेके पर रोक लगा दी और चर्चा के लिए सभी पक्षों को बुलाया है। बोली लगाने वालों में से एक, भारत की एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की याचिका पर अदालत का आदेश आया। काठमांडू तराई-मधेश एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए बोली की पारदर्शिता को लेकर चिंताएँ थीं, जिसे नेपाल सेना द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। परियोजना को संवेदनशील माना जाता है क्योंकि एक हिस्सा भारतीय सीमा के करीब स्थित होगा। चाइना फर्स्ट हाईवे इंजीनियरिंग उन पांच कंपनियों में से नहीं थी जो सितंबर में परियोजना के लिए बोली लगाने के लिए योग्य थी, और इसे सबसे कम बोली लगाने वाले घोषित किए जाने से एक दिन पहले 6 नवंबर को शामिल किया गया था। लोगों ने बताया कि इस दौरान परियोजना को संभालने वाले नेपाल सेना के अधिकारी को भी बदल दिया गया। चीनी पक्ष बांग्लादेश सरकार पर तीस्ता नदी की नौवहन क्षमता में सुधार करने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना में भूमिका के लिए जोर दे रहा है। बांग्लादेश सरकार कुछ समय से इस परियोजना की योजना बना रही है, यहाँ तक कि वह सीमा पार नदी के पानी के बंटवारे पर भारत के साथ लंबे समय से लंबित समझौते के समापन की प्रतीक्षा कर रही है।

सुरक्षा बल ने सोमालिया के होटल में घुसे आतंकवादियों को किया ढेर, 60 लोगों को मुक्त कराया, एक सुरक्षाकर्मी शहीद

सोमालिया के सुरक्षा बल राजधानी मोगादिशू के उस होटल में सोमवार को घुस गए जहां इस्लामी चरमपंथियों ने 18 घंटे से ज्यादा वक्त से दर्जनों लोगों को बंधक बनाया हुआ था। चरमपंथियों ने आठ लोगों की हत्या भी कर दी है। पुलिस के प्रवक्ता सादिक दोदिशे ने कहा कि विला रोज़ा होटल में चलाए गए अभियान के दौरान सभी चरमपंथियों को मार गिराया गया और एक सुरक्षाकर्मी की भी इस दौरान मौत हो गई। प्रवक्ता ने बताया कि होटल में फंसे करीब 60 लोगों को मुक्त करा लिया गया है और उनमें से कोई जख्मी नहीं हुआ है। हालांकि, यह अबतक साफ नहीं है कि क्या कोई लापता है या नहीं। दोदिशे के मुताबिक, पांच हमलावरों को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया जबकि छठे ने खुद को बम से उड़ा लिया। इस्लामी चरमपंथी समूह अल शबाब ने हमले की जिम्मेदारी ली है। अल शबाब ने रविवार को दावा किया था कि उसके लड़ाकों ने होटल पर हमला किया है।

इजरायल मंत्रिस्तरीय गठबंधन द्विपक्षीय समझौतों से हटने वाले है -फिलिस्तीनी अधिकारी

रामल्लाह। इस्राइली मंत्रिस्तरीय गठबंधन ने अंतरराष्ट्रीय तत्वावधान में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय शांति समझौते को खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति पद के प्रवक्ता नबील अबू रुदीनेह ने संवाददाताओं से कहा कि इजरायल में घोषित समझौते और समझ 'अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तावों के लिए एक बड़ी चुनौती है और अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन में एक नया मंच स्थापित करते हैं।' इजरायल के नामित प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और नोआम पार्टी ने रविवार को एक गठबंधन समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे नेतन्याहू इजरायल के इतिहास में सबसे दक्षिणपंथी सरकार बनने की उम्मीद के करीब एक कदम आगे बढ़ गए। नेतन्याहू ने शुक्रवार को आंतरिक सुरक्षा मंत्री का पद संभालने के लिए इतामार बेन-गवीर के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। स्थिति सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री का एक विस्तारित संस्करण होगी, जिसके तहत बेन-गवीर पुलिस और अर्धसैनिक सीमा पुलिस के प्रभारी होंगे जो फिलिस्तीनी आबादी क्षेत्रों में सेना के सैनिकों के साथ काम करते हैं। प्रवक्ता अबू रुदीनेह ने कहा कि फिलिस्तीन की भूमि पर बनी बस्तियों को वैधता देने का कोई भी इजरायली प्रयास 'अस्वीकार और निंदा किया जाता है, और ये प्रयास किसी को वैधता नहीं देंगे।' उन्होंने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2334 में स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि कब्जे वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों पर सभी प्रकार के बंदोबस्त अवैध हैं।' रुडीनेह ने संयुक्त राज्य अमेरिका से 'इन इज़राइली समझ पर अपनी स्थिति को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने के लिए भी कहा है, जो अंतरराष्ट्रीय वैधता और आधिकारिक यू.एस. सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की स्थिति को धता बताता है।'

सिंगापुर के जुरोंग द्वीप समुद्र में गिरने से भारतीय मजदूर की मौत

इंटरनेशनल डेस्क। सिंगापुर के जुरोंग द्वीप के पास मचान बनाने का काम करते समय समुद्र में गिर जाने से 41 वर्षीय भारतीय नागरिक की मौत हो गई। जनशक्ति मंत्रालय (एमओएम) ने मंगलवार को मीडिया में जारी बयान में कहा कि घटना पिछले शुक्रवार को जुरोंग द्वीप पर पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। मंत्रालय के बयान में भारतीय नागरिक की पहचान नहीं बताई गई है। चैनल 'न्यूज एशिया' ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि भारतीय नागरिक का शव उसी दिन बरामद कर लिया गया था।

दक्षिण चीन सागर से अमेरिकी जंगी पोत देख भड़का चीन, कहा- घुसपैठ बर्दाश ?त नहीं करेंगे

बीजिंग । दक्षिण चीन सागर पर अमेरिका और चीन कई बार आमने-सामने आ चुके हैं। चीन जहां इस क्षेत्र को अपनी सीमा क्षेत्र बताता है वहीं अमेरिका मानता है कि ये अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र है, जहां पर कोई भी कभी भी आ और जा सकता है। चीनी सेना का आरोप है कि अमेरिका का जंगी पोत मंगलवार को अवैध तरीके से उनकी जल सीमा दक्षिण चीन सागर में घुसा था। पीएलए के मुताबिक अमेरिकी जंगी जहाज को Spratly Islands के करीब देखा गया था। इसके बाद उस पर करीब से निगाह रखी गई। ये जंगी जहाज गाइडेड मिसाइल से लैस था। चीन ने अमेरिका के इस रवैये को चीन की सीमा में घुसपैठ करार दिया है। उधर, अमेरिकी नौसेना ने मंगलवारको दक्षिणी चीन सागर में चीन के कब्जे वाले एक द्वीप के पास आयोजित 'नौवहन की स्वतंत्रता संबंधी अभियान' पर चीनी विरोध को खारिज कर दिया। एक असामान्य कदम उठाते हुए अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े ने मंगलवार के मिशन पर चीन की आपत्तियों का खंडन किया। उसने चीन की आपत्तियों को ''अमेरिका के वैध समुद्री संचालन को गलत तरीके से प्रस्तुत करने के लिए चीनी कार्रवाइयों की लंबी श्रृंखला में एक नयी घटना 'करार दिया। अमेरिकी नौसेना ने कहा कि चीन के व्यापक समुद्री दावे नौवहन और उस क्षेत्र में उड़ानों, मुक्त व्यापार और अबाधित वाणिज्य के साथ ही दक्षिण चीन सागर के तटीय देशों के आर्थिक अवसरों की स्वतंत्रता के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। नौसेना ने कहा कि जब तक कुछ देश ऐसे अधिकारों पर जोर देते रहेंगे जो अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों से अधिक हैं, अमेरिका सभी के लिए गारंटीकृत समुद्री अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा करता रहेगा। चीन ने अमेरिकी कार्रवाई को अवैध ठहराया और कहा कि उसने चेतावनी जारी करने और पोतों को भगाने के लिए वायु सेना और नौसैनिकों को लामबंद किया है। चीन के दक्षिणी थिएटर कमान के प्रवक्ता, कर्नल तियान जुनली के हवाले से कहा गया है, 'अमेरिकी सेना की गतिविधियों ने चीन की संप्रभुता और सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन किया है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' तियान ने कहा, 'दक्षिण चीन सागर द्वीपों और उनके आस-पास के जलक्षेत्र पर चीन की निर्विवाद संप्रभुता है।' गौरतलब है कि दक्षिण चीन सागर में बेशकीमती खनिजों समेत प्राकृतिक गैस का अपार भंडार है। चीन इसलिए इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र का हिस्सा नहीं मानता है। वहीं, दुनिया में समुद्र के जरिए होने वाला 80 फीसद से अधिक व्यापार भी इसी क्षेत्र के जरिए होता है। यही वजह है कि, अे ?मेरिका इस क्षेत्र में सभी की निर्बाध आवाजाही चाहता है।

मुझे स्वतंत्र करो या मौत दे दो ! चीन की सड़कों पर उतरे लोग क्यों मांग रहे हैं जिनपिंग का इस्तीफा ?

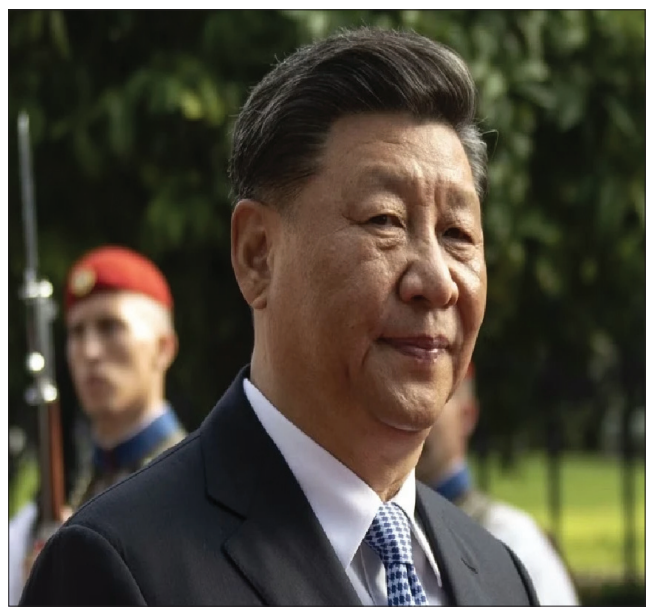

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों पर रोक लगाने के लिए बेहद ही सख्त नियम लगाए जाने की खबरें तो लगातार ही रिपोर्ट की जा रही हैं। लेकिन अब वहां की जनता ने इस नियमों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पूरे चीन में कड़े प्रतिबंधों के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। चीन में इस तरह के प्रदर्शन वो भी सरकार के खिलाफ बहुत ही कम देखने को मिलते हैं। चीन के प्रमुख शहरों और विश्वविद्यालयों के हजारों लोग सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। देश भर में ÷स्वतंत्रता चाहते हैं÷ एक नारा बन गया है, जो मुख्य रूप से युवा पीढ़ी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शनों का एक आधार बन गया है।

चीन प्रतिबंधों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन देखा जा रहा है। अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर आंदोलन के बाद कुछ स्थानों पर कोविड-विरोधी नियमों में ढील दी, लेकिन अपनी सख्त ÷जीरो कोविड पॉलिसी÷ को बरकरार रखा। मुझे स्वतंत्र करो या मुझे मौत दे दो जैसे वारे ऑनलाइन प्रसारित वीडियो में सामने आए हैं। जबकि चीन के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन सप्ताहांत में बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण ढंग से बढ़ता गया। कुछ ने अधिकारियों से मजबूत प्रतिक्रिया देखी। ऐसे देश के शहरों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है जहां अधिकारियों के पास दूरगामी निगरानी और सुरक्षा क्षमताएं हैं।

बीजिंग में विरोध प्रदर्शनों के एक दिन बाद शाम को भारी पुलिस बल मौजूद रहा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने शी जिनपिंग इस्तीफा दो, कम्युनिस्ट पार्टी कुर्सी छोड़ो और चीन से प्रतिबंध हटाओ जैसे नारे लगाए। इसके साथ ही लोगों ने कहा कि वो पीसीआर टेस्ट नहीं कराना चाहते बल्कि स्वतंत्रता चाहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की दो टूक, प्रदर्शन करने के अधिकार का सम्मान करना सीखे चीन

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने चीन से देश में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करने का आग्रह किया। संयुक्त राष्ट्र ने चीनी सरकार से केवल शांतिपूर्ण आंदोलन में भाग लेने के लिए लोगों को हिरासत में नहीं लेने के लिए कहा, क्योंकि बीजिंग विरोध प्रदर्शनों और प्रदर्शनों की राष्ट्रव्यापी श्रृंखला को नियंत्रित करने की कोशिश करता है। समाचार एजेंसी एएफपी ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के प्रवक्ता जेरेमी लारेंस के हवाले से कहा, 'हम अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों और मानकों के अनुरूप विरोध प्रदर्शनों का जवाब देने के लिए अधिकारियों का आह्वान करते हैं। किसी को भी मनमाने ढंग से अपनी राय व्यक्त करने के लिए हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए।' इससे पहले दिन में यहां तक कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी कहा कि चीन की शून्य-कोविड नीति के काम करने की संभावना नहीं है और फिर से पुष्टि की कि दुनिया भर में सभी को शांतिपूर्वक विरोध करने का अधिकार है।' हमने कहा है कि शून्य-कोविड एक नीति नहीं है जिसका हम यहां संयुक्त राज्य अमेरिका में अनुसरण कर रहे हैं। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने कहा कि जैसा कि हमने कहा है, हमें लगता है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के लिए इस वायरस को रोकने में सक्षम होना बहुत मुश्किल होगा।

अपनी नाकामियों का ठीकरा अमेरिका के सिर पर फोड़ रहा चीन

व्हाइट हाउस ने कहा- शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार हमेशा करेगा समर्थन

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन से भले ही कोई खबरें सामने नहीं आती हो लेकिन अब हालात काबू से बाहर हो रहे हैं। चीनी तानाशाह शी जिनपिंग की जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ लोग सड़को पर उतर आये हैं। चीन को शक है कि इस विरोध प्रदर्शन को अमेरिका से शह मिल रही हैं। चीन अमेरिका को लगातार चेतावनी दे रहा है कि अमेरिका उनके आंतरिक मामलों से दूर रहे। चीन के झिंजियांग में लोगों सकड़ों पर उतरकर लोकतंत्र की मांग कर रहे हैं। वह चीन की तानाशाही को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहते हैं। लोगों की मांग को दर-किनारा कर चीन लोगों पर पुलिस की लाठियां परसा रहा हैं। अपनी नाकामियों को दूसरों के सिर थोप रहा हैं। चीन लगातार इस विरोध प्रदर्शन के लिए अमेरिका को जिम्मेदार मान रहा हैं। ऐसे में अब चीन की प्रतिक्रिया सामने आयी हैं।

व्हाइट हाउस ने दिया चीन को जवाब

व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका चीन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार के लिए खड़ा रहेगा और उसका समर्थन करना जारी रखेगा। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका चीन में हो रहे घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहा है। किर्बी ने कहा, ''दुनिया भर में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के लिए हमारा संदेश एक समान और वही है कि लोगों को इकट्ठा होने और नीतियों या कानूनों का शांतिपूर्वक विरोध करने का अधिकार दिया जाना चाहिए।''

चीन में विरोध प्रदर्शन जारी

कोविड-19 के कारण लागू सख्त प्रतिबंधों को लकर चीन सरकार के खिलाफ समूचे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं जैसा कि आप हमसे उम्मीद करते हैं। हम एक बार फिर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के साथ खड़े हैं और उसका समर्थन करते रहेंगे।'' किर्बी ने कहा कि अमेरिका ने इस वक्त चीन को किसी प्रकार की मदद देने की पेशकश नहीं की है। उन्होंने कहा, ''हम दुनियाभर में कोविड-19 रोधी टीकों के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता हैं। हमारे टीकों को प्राप्त करने में न तो चीन की कोई दिलचस्पी दिखी है और न ही उससे कोई अनुरोध मिला है।

चीन की जनता पिछले लंबे समय से कोरोना वायरस का कहर झेल रही हैं। जहां पूरे विश्व में लॉकडाउन को खत्म कर दिया हैं। वहीं चीन के कई बड़े शहरों में लॉकडाउन लगा हुआ हैं। हाल ही में चीन के झिंजियांग के एक अपार्टमेंट में आग लग गयी। लॉकडाउन के कारण दमकल सेवा समय पर नहीं पहुंची और 10 लोगों की मौत हो गयी। इस मौत के बाद चीन में कई जगहों पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस तरह का विरोध प्रदर्शन चीन में 1989 में हुआ था। इसी कारण आज की चीनी परिस्थितियों की तुलना 1989 त्यानआनमेन चौक विरोध और नरसंहार से की जा रही हैं। विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो सामने आये हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि शी जिनपिंग के खिलाफ लोग खुल कर सड़कों पर उतरे हैं, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देनी की गुहार लगा रहे हैं। तानाशाही से मुक्ति की मांग कर रहे हैं।

पीएम सुनक बोले- चीन के साथ ब्रिटेन के संबंधों का स्वर्णिम युग खत्म

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटेन-चीन संबंधों पर कहा कि ब्रिटिश मूल्यों और हितों के लिए चीनी शासन द्वारा प्रस्तुत 'व्यवस्थागत चुनौती'' के सामने द्विपक्षीय संबंधों का 'तथाकथित स्वर्ण युग' समाप्त हो गया है। लंदन के लॉर्ड मेयर के भोज में सोमवार रात अपने पहले प्रमुख विदेश नीति भाषण में, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के प्रति ब्रिटेन के दृष्टिकोण को 'विकसित' करना चाहते हैं। उन्होंने चीन के मानवाधिकार रिकॉर्ड की भी आलोचना की। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि ब्रिटेन ''विश्व मामलों में चीन के महत्व को आसानी से नजरअंदाज नहीं कर सकता', इसलिए उनका दृष्टिकोण ''दीर्घकालिक रुख के हिसाब से 'दृढ़ व्यावहारिकता'' में से एक होगा।

सुनक ने करीब सात साल पहले डेविड कैमरन के नेतृत्व वाली कंजरवेटिव पार्टी की सरकार के दौरान इस्तेमाल कथन का जिक्र करते हुए कहा, ''यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि तथाकथित 'स्वर्ण युग' समाप्त हो गया है, साथ ही इस भोले विचार का भी अंत हो गया है कि व्यापार सामाजिक और राजनीतिक सुधार की ओर ले जाएगा।' उन्होंने कहा, 'ना ही हमें सरलीकृत शीतयुद्ध वाली बयानबाजी पर भी भरोसा करना चाहिए। हम मानते हैं कि चीन हमारे मूल्यों और हितों के लिए व्यवस्थागत चुनौती प्रस्तुत करता है, एक ऐसी चुनौती जो अधिक गंभीर होती जाती है क्योंकि यह और भी अधिक अधिनायकवाद की ओर बढ़ती है।' सुनक ने चीन द्वारा देश में लॉकडाउन विरोधी प्रदर्शनों और सप्ताहांत में बीबीसी के एक पत्रकार की गिरफ्तारी और उनके साथ मारपीट की आलोचना करते हुए कहा कि लोगों की चिंताओं को सुनने के बजाय, सरकार ने कार्रवाई करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''मीडिया और हमारे सांसदों को इन मुद्दों को उजागर करना चाहिए, जिसमें शिनजियांग में दुर्व्यवहार और हांगकांग में स्वतंत्रता में कटौती शामिल है।'' सुनक ने कहा, ''बेशक, हम वैश्विक आर्थिक स्थिरता या जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों के लिए वैश्विक मामलों में चीन के महत्व को आसानी से नजरअंदाज नहीं कर सकते। अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कई अन्य भी इसे समझते हैं। इसलिए साथ मिलकर हम कूटनीति और भागीदारी सहित इस तेज प्रतिस्पर्धा का प्रबंधन करेंगे।' पिछले महीने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने सुनक को कंजरवेटिव पार्टी में नेतृत्व पद के मुकाबले के दौरान चीन के प्रति अपने नरम रुख के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। ऐसा लगता है कि उनका पहला प्रमुख विदेश नीति भाषण ऐसी किसी भी धारणा को खत्म करने के इरादे से दिया गया।

कनाडा की अर्थव्यवस्था को बुजुर्ग आबादी से हो रहा है नुकसान, इसलिए भरपाई के लिए हर साल चाहिए 5 लाख प्रवासी!

इंटरनेशनल डेस्क। देश में बढ़ती बुजुर्ग आबादी से अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए कनाडा ने प्रवासियों पर दांव लगाया है। इसी महीने की शुरुआत में संघीय सरकार ने 2025 तक हर साल पांच लाख प्रवासियों को कनाडा में लाने की योजना का ऐलान किया है। जिसके मुताबिक अगले तीन साल में करीब 15 लाख प्रवासी कनाडा में जाएंगे। आबादी में स्थाई निवासियों के अनुपात के लिहाज से ब्रिटेन के मुकाबले आठ गुना और अमरीका से चार गुना बड़े कनाडा में नए प्रवासी आएंगे। लेकिन हालिया हलचल से पता चला है कि इन नए मेहमानों को लेकर लोगों में बेचैनी भी है। कई सालों से कनाडा आप्रवासियों को स्थाई निवासी के तौर पर आकर्षित करता रहा है जिन्हें देश में असीमित काल के लिए रहने के अधिकार तो हैं, लेकिन वे नागरिक नहीं हैं, ताकि आबादी और अर्थव्यवस्था दोनों बढ़ती रहे। पिछले साल कनाडा ने चार लाख पांच हज़ार स्थाई निवासियों को अपने यहां जगह दी, जोकि इसके पूरे इतिहास में सबसे बड़ी संख्या है। कुछ लोगों का कहना है कि इसके पीछे बहुत साधारण गणित है। बहुत सारे पश्चिमी देशों की तरह कनाडा भी बढ़ती बुजुर्ग आबादी और निम्न जन्म दर का सामना कर रहा है। इसका मतलब ये हुआ कि अगर देश विकास करना चाहता है तो उसे प्रवासी लाने होंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, व्यावहारिक रूप से सभी देशों में लेबर फोर्स विकास का मुख्य हिस्सा प्रवासी हैं और अनुमान है कि साल 2032 तक देश की सकल आबादी वृद्धि के लिहाज से भी वही मुख्य कारक होंगे। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने ऐलान किया कि उसे उम्मीद है कि 2025 तक हर साल पांच लाख प्रवासी देश में आएंगे।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति हुई और बदहाल, विदेशी मुद्रा भंडार कारण देश की 'लाइफ लाइन' प्रभावित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में विदेश मुद्रा भंडार की स्थिति और भी खराब हो गई है। फरवरी में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 16 अरब डालर था यह जून के पहले हफ्ते में 10 अरब डालर पहुंच गया। इस समय पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में आठ अरब डालर से भी कम धनराशि है। इसमें 29 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाली 1.2 अरब डालर की धनराशि शामिल होगी। यह राशि महज दो महीने के आयात बिल को चुका पाएगी। पाकिस्तान की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए पाकिस्तान सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की कठोर शर्तों को मानना होगा।

लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था के बीच पाकिस्तान में तीन बार तेल के दाम बढ़ाए गए। 26 मई से अभी तक वहां पेट्रोल के दाम में 84 पाकिस्तानी रुपये की वृद्धि की जा चुकी है। इतना ही नहीं महंगाई का असर लाइफ लाइन कही जाने वाली चाय पर भी पड़ा है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी FATF की ग्रे लिस्ट में शामिल होने के बाद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा है। पाकिस्तान वर्ष 2018 में FATF की ग्रे लिस्ट में शामिल हुआ था। इस सूची में रहने से देश में निवेश या आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ता है। विदेश मामलों के जानकार प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि ब्लैकलिस्ट का फैसला और IMF का पाकिस्तान की ओर रुख आपस में जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट से बाहर होते ही IMF का रुख भी उसके प्रति सकारात्मक होगा। पाकिस्तान को ऋण देने जैसे कदमों के साथ आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ग्रे लिस्ट में बना रहता तो उसके लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो सकती थी।

पाकिस्तान में महंगाई का असर चाय पर भी: पाकिस्तान में महंगाई का असर चाय पर भी पड़ा है। खास बात यह है कि पाकिस्तान दुनिया में चाय का सबसे बड़ा आयातक देश है। पाकिस्तान हर वर्ष 25-24 करोड़ किलो चाय आयात करता है। इस पर पाकिस्तान का सालाना आयात बिल करीब 450 मिलियन डालर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लिए चाय लाइफलाइन की तरह है। प्रो पंत का कहना है कि पाकिस्तान में चाय एक फूड आइटम की तरह है। यह भोग विलास का सामान नहीं है। गरीब आदमी एक कप चाय और रोटी से खाना खाता है। पाकिस्तान में ज्यादातर चाय आयातित है। पाकिस्तान में चाय की आपूर्ति पूर्वी अफ्रीकी देशों से होती है। खासकर कीनिया, तंजानिया, युगांडा और बुरुंडी से। इन देशों में चाय सस्ती दामों पर सुलभ होती है। पाकिस्तान में चाय की कीमत 850 पाकिस्तानी रुपये है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के आरंभ में चाय की कीमत सौ रुपये कम थी। इसलिए महंगाई का असर गरीबों पर पड़ा है। महंगाई के चलते कई वर्षों से चाय की प्रति केपिटा खपत एक किलो पर ही स्थिर है।

दुनिया के सबसे बड़े सक्रिय ज्वालामुखी में 38 साल में पहली बार हरकत, हवाई में लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी

सियोल (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े सक्रिय ज्वालामुखी से 38 साल में पहली बार नारंगी, चमकीला लावा निकला और राख का विशाल गुबार उठते देखा गया। अधिकारियों ने हवाई के 'बिग आईलैंड' के निवासियों को हर तरह की प्रतिकूल परिस्थितियों के लिए तैयार और सतर्क रहने की सलाह दी है। ज्वालामुखी मौना लोआ में विस्फोट से हालांकि तत्काल कोई खतरा नहीं है, लेकिन अमेरिकी भूगर्भीय विज्ञान सर्वेक्षण ने 2,00,000 लोगों की आबादी वाले 'बिग आइलैंड' के निवासियों को चेतावनी दी है कि ''लावा निकलने की गति तथा स्थान तेजी से बदल सकता है''।

अधिकारियों ने निवासियों से कहा कि अगर लावा का प्रवाह आबादी वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ने लगे तो उन्हें क्षेत्र को खाली करने के लिए तैयार रहना चाहिए। हवाई ज्वालामुखी वेधशाला के प्रभारी वैज्ञानिक केन होन ने कहा कि काफी बड़े कई सिलसिलेवार भूकंपों के बाद रविवार देर रात ज्वालामुखी विस्फोट शुरू हुआ। अधिकारियों ने लावा से उत्पन्न खतरों को देखते हुए लोगों से ज्वालामुखी वाले क्षेत्र से दूर रहने का आग्रह किया, जिसकी तीन अलग-अलग दरारों में से लावा फूटकर हवा में 100 से 200 फुट ऊंचाई तक उठ रहा है।

ज्वालामुखी विस्फोट से निकलने वाली सल्फरडाइऑक्साइड समेत अन्य गैस बेहद हानिकारक होती हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ. लिब्बी चार ने कहा कि बिग आइलैंड पर हवा की गुणवत्ता अभी अच्छी है, लेकिन अधिकारी इसकी सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहे हैं। वहीं, मध्य अमेरिका में स्थित सबसे छोटे और सबसे सघन आबादी वाले देश एल सल्वाडोर के पूर्व में चपारास्टिक ज्वालामुखी के फटने के बाद अधिकारियों ने सोमवार को निवासियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी। देश के पर्यावरण मंत्रालय की वेधशाला ने राजधानी से लगभग 135 किलोमीटर पूर्व में स्थित ज्वालामुखी के मध्य क्रेटर में विस्फोट की सूचना दी।

इसने कहा कि विस्फोट की तीव्रता शून्य से आठ के स्तर पर एक आंकी गई थी। नागरिक सुरक्षा निदेशक लुइस एलोंसो अमाया ने कहा कि तीन नगर पालिकाओं को अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारी 26 शिविर तैयार कर रहे हैं जिनमें 10,000 से अधिक लोग रह सकते हैं और ज्वालामुखी की गतिविधि पर ताजा जानकारी प्रदान करने के लिए कमान चौकी स्थापित की जा रही है।

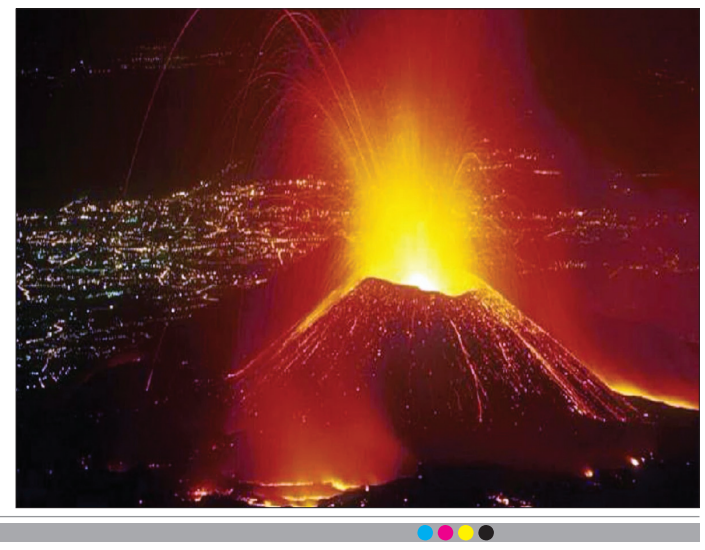

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंदू एकता मंच के कार्यक्रम में हंगामा, श्रद्धा की हत्या के खिलाफ आयोजित सभा में महिला ने शख्स को चप्पल से पीटा

नई दिल्ली। देशभर में श्रद्धा मर्डर केस को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। कुछ हिंदू संगठन इसे लव जिहाद से भी जोड़ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि श्रद्धा अपने पार्टनर आफताब अमीन पूनावाला के साथ रह रही थी। अफताब पर ही श्रद्धा के हत्या का आरोप है। इन सबके बीच श्रद्धा की हत्या के विरोध में हिंदू एकता मंच की ओर से एक महापंचायत का आयोजन किया गया था। इस दौरान मंच पर ही बवाल हो गया। दरअसल, एक महिला मंच पर पहुंची और वहां मौजूद एक शख्स पर चप्पल से प्रहार करना शुरू कर दिया। हालांकि, मंच पर मौजूद कुछ अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया और मामला तब जाकर शांत हुआ। पूरा मामला दिल्ली के छतरपुर इलाके का है। यह महापंचायत उसी इलाके में रखी गई थी, जहां आफताब में श्रद्धा की हत्या की थी। इस कार्यक्रम को बेटी बचाओ फाउंडेशन ने भी अपना समर्थन दिया था। बताया जा रहा है कि महिला अपनी शिकायत से अवगत कराने के लिए मंच पर पहुंची थी, तभी उसे एक शख्स ने धक्का देकर माइक से हटाने की कोशिश की। इस दौरान महिला काफी गुस्से में आ गई। उसने चप्पल से शख्स की पिटाई शुरू कर दी। आपको बता दें कि आफताब ने 18 मई को श्रद्धा की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसके शव को कई टुकड़ों में काटकर अलग-अलग जगहों पर फेंक किया था। दूसरी ओर दिल्ली की एक अदालत ने रोहिणी स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएससी) में आफताब अमीन पूनावाला की नार्को जांच कराने की मंगलवार को अनुमति दे दी। पूनावाला के वकील अबिनाश कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को एक दिसंबर और पांच दिसंबर को रोहिणी स्थित प्रयोगशाला ले जाने की अनुमति दिए जाने का अनुरोध किया था, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। पूनावाला (28) पर अपनी 'लिव-इन पार्टनर' श्रद्धा वालकर की हत्या करने और उसके शव के 35 टुकड़े करने का आरोप है।

इजराइली फिल्मकार की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने साधा मोदी सरकार पर निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने 53वें भारत अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के जूरी प्रमुख नदव लापिद द्वारा हिंदी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को 'दुष्प्रचार करने वाली' और 'भद्दी' फिल्म बताये जाने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि नफरत को आखिरकार पहचान ही लिया जाता है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री मोदी, उनकी सरकार और भाजपा और उनके पूरे तंत्र ने द कश्मीर फाइल्स का प्रचार-प्रसार किया। इफ्फी द्वारा फिल्म को खारिज कर दिया गया। जूरी प्रमुख नदव लापिद ने इसे दुष्प्रचार, भद्दा करार दिया और इसे फिल्म महोत्सव के लिए अनुचित बताया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, नफरत को आखिरकार नकारा ही जाता है। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने दावा किया कि सरकार के स्तर से इस फिल्म का प्रचार हुआ और नतीजा यह हुआ कि अंतरारष्ट्रीय स्तर पर देश को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि 53वें भारत अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के जूरी प्रमुख और इज़राइली फिल्मकार नदव लापिद ने हिंदी फिल्म ' द कश्मीर फाइल्स' को सोमवार को 'दुष्प्रचार करने वाली' और 'भद्दी' फिल्म बताया। इफ्फी 2022 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए लापिद ने कहा कि फिल्म समारोह में इस फिल्म का प्रदर्शन किए जाने से वह 'परेशान और हैरान' हैं।

गांव के एक कुएं में मिली सरकारी दवाएं, उपमुख्यमंत्री ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए जांच के आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मऊ जिले के हलधरपुर थाना क्षेत्र के गुलौरी गांव में एक कुएं में भारी मात्रा में फेंकी गई सरकारी दवाओं का संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जांच के आदेश दिए हैं और एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट तलब की है। उप मुख्यमंत्री पाठक ने सोमवार शाम को ट्वीट किया, ''मऊ जिला के ग्राम गुलौरी स्थित एक कुएं में सरकारी अस्पताल की दवाएं फेंके जाने संबंधी वीडियो का संज्ञान लेते हुए मैंने सीएमओ (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) मऊ को जांच कर रिपोर्ट एक सप्ताह में उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।'' उल्लेखनीय है कि शनिवार को मऊ जिले के रतनपुरा खंड विकास क्षेत्र के हलधरपुर थाना क्षेत्र के गुलौरी गांव के एक कुएं में भारी मात्रा में फेंकी गई जीवन रक्षक दवाएं मिली थीं। कुएं के मालिक अरुणेंद्र ने बताया कि वह अपने खेतों में गेहूं की बुवाई की तैयारी के लिए पहुंचे थे, तभी उन्होंने वहां से एक डीसीएम (छोटा ट्रक) को जाते हुए देखा। अरुणेंद्र ने अंदेशा जताया कि डीसीएम से आए लोग ही कुएं में दवाएं फेंक गए थे। उन्होंने बताया कि डीसीएम के पहियों के निशान खेत में अंदर की तरफ तक मिले हैं, जिसकी सूचना पुलिस को भी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि कुएं में मिली दवाओं में से ज्यादातर के इस्तेमाल की अवधि 2023 में समाप्त होने वाली थी। मामले की जानकारी मिलते ही खेत में ग्रामीणों की भीड़ लग गई। उनमें से किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्?ट किया। गांव निवासी राजीव कुमार मिश्रा ने कहा कि जब हम अपने क्षेत्र के एक खेत के कुएं में सरकारी दवाएं मिलने की सूचना पाकर वहां पहुंचे तो हमने पाया कि कुएं में फेंकी गई ज्यादातर दवाओं के इस्तेमाल की अवधि 2023 में समाप्त होने वाली थी। मिश्रा ने दावा किया कि यह बहुत ही बड़ी प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार का मामला है।

गैंगस्टर-आतंकवादी गठजोड़ मामले में लॉरेंस बिश्नोई के ठिकानों पर एनआईए की रेड, 20 स्थानों पर मारे गये छापे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गैंगस्टर-आतंकवादी सांठगांठ मामले की जांच के तहत दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में 20 स्थानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। लॉरेंस बिश्नोई, नीरज बवाना और टिल्लू ताजपुरिया सहित छह गैंगस्टरों से पूछताछ के बाद आतंकवाद-रोधी एजेंसी की कार्रवाई सामने आई है। एनआईए सूत्रों के मुताबिक, छह गैंगस्टरों से पूछताछ के दौरान कई और गैंगस्टर्स के नाम सामने आए थे। एनआईए पूछताछ किए गए गैंगस्टरों के घरों और उनसे और उनके सहयोगियों से जुड़े अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों ने कहा कि गैंगस्टरों के दूसरे देशों में विश्वसनीय संपर्क थे। उन्होंने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई और बवाना गैंग के नाम पर भारत में आतंक के लिए काफी फंडिंग है। उन्होंने कहा कि एनआईए ने अब तक गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किए गए सभी गैंगस्टरों से पूछताछ के आधार पर पाकिस्तान-आईएसआई और गैंगस्टर गठजोड़ के बारे में जानकारी एकत्र की थी। केंद्रीय जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कैसे गैंगस्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। एनआईए सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर-टेरर फंडिंग मामले में एजेंसी अब तक दो दौर की छापेमारी कर चुकी है. इससे पहले एनआईए ने इस मामले में दो दौर की छापेमारी में 102 जगहों पर छापेमारी की थी।

दिल्ली में पारा लुढ़का, न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस रहा, वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब'

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। मौसम विभाग ने यह जानकारी देते हुए दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 रहा, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था। मौसम विभाग ने कहा कि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। विभाग ने दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है।

भारत जोड़ो यात्रा: राहुल गांधी ने कहा- अब मैं खुद में अधिक धैर्य महसूस करता हूं

इंदौर (एजेंसी)। । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा है कि वह भारत जोड़ो यात्रा के दौरान खुद में कुछ बदलाव महसूस कर रहे हैं जिसमें खुद में अधिक धैर्य आना और दूसरों को सुनने की क्षमता शामिल है। गांधी अपने महत्वाकांक्षी पैदल मार्च के तहत 2,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद रविवार को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले पहुंचे। यह भारत जोड़ो यात्रा एक जनसंपर्क पहल है जिसे गांधी ने सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू किया था। यात्रा के दौरान उनके सबसे संतोषजनक क्षण के बारे में पूछे जाने पर, गांधी ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, ''कई हैं, लेकिन मैं उनमें से कुछ रोचक को याद करता हूं, जिसमें यह शामिल है कि यात्रा के कारण मेरा धैर्य काफी बढ़ गया है।'' उन्होंने कहा, ''दूसरी बात, अब मैं आठ घंटे में भी नहीं चिढ़ता, तब भी नहीं यदि कोई मुझे धक्का दे या खींचे। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, जबकि पहले मैं दो घंटे में भी चिढ़ जाता था।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा, ''यदि आप यात्रा में चल रहे हैं और दर्द का अनुभव करते हैं, तो आपको इसका सामना करना होगा, आप हार नहीं मान सकते। उन्होंने कहा कि तीसरा, दूसरों को सुनने की उनकी क्षमता भी पहले के मुकाबले बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, ''जैसे अगर कोई मेरे पास आता है तो मैं उसे ज्यादा धैर्य से सुनता हूं। मुझे लगता है कि ये सभी चीजें मेरे लिए काफी लाभदायक हैं।'' गांधी ने कहा कि जब उन्होंने पैदल मार्च शुरू किया, तो उन्हें एक पुरानी चोट के कारण उनके घुटनों में दर्द महसूस हुआ, जो पहले ठीक हो गई थी। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से काफी परेशानी हो रही थी, साथ ही डर था कि ऐसी हालत में वह चल भी पाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा, ''हालांकि, धीरे-धीरे मैंने उस डर का सामना किया क्योंकि मुझे चलना था, इसके बारे में कोई सवाल ही नहीं था। ऐसे क्षण हमेशा अच्छे होते हैं कि कुछ चीज आपको परेशान कर रही है और आप खुद को उसके अनुसार ढाल लें।''

दक्षिणी राज्यों में से एक में पदयात्रा के दौरान के एक अनुभव को याद करते हुए, गांधी ने कहा कि जब वह दर्द से परेशान हो गए क्योंकि लोग उन्हें धक्का दे रहे थे तो एक छोटी लड़की आयी और यात्रा में चलने लगी। उन्होंने कहा, ''वह मेरे पास आयी और मुझे एक चिट्ठी थमायी। वह शायद छह-सात साल की थी। जब वह चली गई तो मैंने वह चिट्ठी पढ़ी जिसमें लिखा था 'मत समझो कि आप अकेले चल रहे हो, मैं आपके साथ चल रही हूं। मैं पैदल यात्रा नहीं कर पा रही क्योंकि मेरे माता-पिता मुझे ऐसा करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, लेकिन मैं आपके साथ चल रही हूं।'' गांधी ने लड़की के इस भाव की सराहना की। उन्होंने कहा, ''इस तरह से, मैं हजारों उदाहरण साझा कर सकता हूं, लेकिन यह मेरे मस्तिष्क में सबसे पहले आया।

भाजपा ने काम किया होता तो बड़े नेताओं को प्रचार में उतारने की जरूरत न पड़ती: केजरीवाल

नई दिल्ली। (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पार्टी ने नगर निगम में अपने शासन के दौरान काम किया होता तो उसे प्रचार अभियान में अपने कई मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने चार दिसंबर को होने वाले नगर निगम चुनाव से पहले चिराग दिल्ली इलाके में आम आदमी पार्टी (आप) के लिए घर-घर जाकर प्रचार करने के दौरान स्थानीय निवासियों से चर्चा करते हुए यह बात कही। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के लिए चार दिसंबर को मतदान होना है।

'आप' और भाजपा दोनों पार्टियां चुनाव में अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं। केजरीवाल ने दावा किया, 'शहर में हर जगह कचरा है। सत्ता में आने पर मैं शहर को साफ कर दूंगा। भाजपा मुझे दिन-रात गाली देती है। हमने पानी की व्यवस्था की

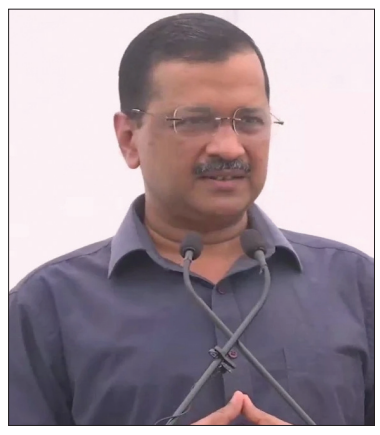

है, हम कचरा निपटान की भी जिम्मेदारी लेंगे। 'आप' को एक मौका दें, हम शहर को पहले की तरह साफ बनाएंगे।' केजरीवाल ने स्थानीय निवासियों से कहा, 'हम दिल्ली को चमका देंगे।' प्रचार अभियान के दौरान कई मंत्री भी मुख्यमंत्री के साथ थे। नगर निगम चुनाव प्रचार अभियान में भाजपा की तरफ से कई मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री उतारे जाने पर केजरीवाल ने कहा, 'मैंने भाजपा को एक नगरपालिका के चुनाव में मुख्यमंत्रियों और कई केंद्रीय मंत्रियों को मैदान में उतारते देखा है। अगर वे (भाजपा) एमसीडी में काम करते तो उन्हें प्रचार के लिए इतने मंत्रियों की जरूरत नहीं पड़ती।'

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह व पीयूष गोयल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पिछले कुछ दिन में यहां भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि ये मंत्री क्या करते हैं? वे अपने अभियानों में केवल मुझे गाली देते हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल का दौरा आज, पद संभालने के बाद इन राज्यों का पहला दौरा

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ देश का दूसरा सबसे बड़ा संवैधानिक पद संभालने के बाद मंगलवार को पहली बार त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। धनखड़ पहले त्रिपुरा आएंगे और बाद में पश्चिम बंगाल जाएंगे। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला पहुंचने के बाद वह वायुसेना के हेलीकॉप्टर से गोमती जिले में उदयपुर के लिए रवाना होंगे और वहां जाकर मां त्रिपुरेश्वरी मंदिर के दर्शन करेंगे। बाद में वह अगरतला में एमबीबी (महाराज बीर बिक्रम) कॉलेज में एक सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री माणिक साहा भी शरीक होंगे। इसके बाद उपराष्ट्रपति कोलकाता के लिए रवाना हो जाएंगे। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल धनखड़ दोपहर में कोलकाता के हवाई अड्डे पहुंचेंगे और सीधे कालीघाट के प्रसिद्ध काली मंदिर जाकर वहां पूजा करेंगे। अधिकारी ने बताया कि बाद में वह निजी यात्रा के तहत यहां साल्ट लेक के एक स्थान पर जाएंगे। धनखड़ अगस्त में उपराष्ट्रपति बनने से पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। राज्यपाल के तौर पर तीन साल के कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था, चुनाव के बाद हिंसा, राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर हस्ताक्षर करने और राज्य प्रशासन की आलोचना करते हुए ट्वीट करने जैसे मामलों पर धनखड़ का ममता बनर्जी सरकार के साथ लगातार टकराव देखा गया था।

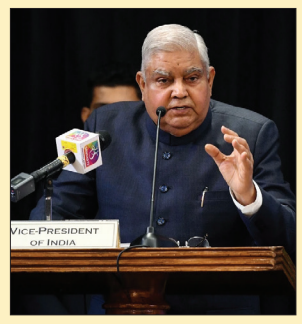

कट्टरपंथ से निपटने में उलेमा की महत्वपूर्ण भूमिका : अजीत डोभाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि इस्लाम के मूल सहिष्णु एवं उदारवादी सिद्धांतों के बारे में लोगों को शिक्षित करने तथा प्रगतिशील विचारों से कट्टरपंथ का मुकाबला करने में उलेमा की महत्वपूर्ण भूमिका है। 'भारत और इंडोनेशिया में अंतर-धार्मिक शांति एवं सामाजिक सौहार्द की संस्कृति को आगे बढ़ाने में उलेमा की भूमिका' विषय पर एक सत्र को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा, ''हमें कट्टरता से दूर होने के साझे विचारों को मजबूत बनाने के लिये मिलकर काम करने की जरूरत है।'' गौरतलब है कि इंडोनेशिया के राजनीतिक, कानूनी एवं सुरक्षा मामलों के समन्वय मंत्री मोहम्मद महफूद सोमवार से भारत की यात्रा पर हैं। उनके साथ 24 सदस्यीय एक शिष्टमंडल भी आया है, जिसमें उलेमा के अलावा अन्य धार्मिक नेता भी शामिल हैं। इंडिया इस्लामिक सेंटर में इंडोनेशिया से आए शिष्टमंडल ने यहां भारतीय समकक्षों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। डोभाल ने अपने शुरुआती संबोधन में कहा कि चरमपंथ और आतंकवाद इस्लाम के अर्थ के खिलाफ है, क्योंकि इस्लाम का मतलब शांति और सलामती होता है। उन्होंने कहा, '' लोकतंत्र में नफरती भाषण, पूर्वाग्रह, दुष्प्रचार, हिंसा, संघर्ष और तुच्छ कारणों से धर्म के दुरुपयोग के लिये कोई स्थान नहीं है। '' उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि भारत और इंडोनेशिया आतंकवाद और अलगाववाद से पीड़ित रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां इन चुनौतियों से काफी हद तक निपटा गया है, वहीं सीमापार और आईएसआईएस प्रेरित आतंकवाद खतरा बना हुआ है। डोभाल ने कहा, '' आईएसआईएस प्रेरित व्यक्तिगत आतंकी प्रकोष्ठ के खतरों का मुकाबला करने के लिये नागरिक संस्थाओं का सहयोग जरूरी है।

सरकारी कार्यक्रम में भड़कीं ममता बनर्जी, बीच में ही रोका भाषण, अधिकारियों को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान अपना आपा खो बैठीं और संबोधन बीच में ही रोक दिया। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में गर्म कपड़े बांटने वाली थीं, लेकिन सामग्री वहां नहीं पहुंची थी। गुस्साई ममता बनर्जी को तब सार्वजनिक रूप से जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) की खिंचाई करते देखा गया। यह कार्यक्रम उत्तर 24 परगना जिले में आयोजित किया गया था, जहां तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां और बंगाल के मुख्य सचिव डॉ. हरि कृष्ण द्विवेदी भी मौजूद थे। मंच पर बैठी नाराज दिख रहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं मंच पर गर्म कपड़े आने तक इंतजार करूंगी। वे बीडीओ (खंड विकास अधिकारी) के कार्यालय में क्यों पड़े हैं? बता दें कि कार्यक्रम में करीब 15 हजार गर्म कपड़े बांटे जाने थे। मुख्यमंत्री ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर तलब किया। जिसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर बीडीओ, आईसी, डीएम काम नहीं करते हैं तो मुझे खेद है अगर मुझे कार्रवाई करनी पड़ेगी। बंगाल की मुख्यमंत्री ने सुंदरवन के अपने तीन दिवसीय दौरे की शुरुआत की। इसके साथ ही सत्तारूढ़ तृणमूल ने एक मंदिर में अपनी यात्रा के दृश्य साझा किए थे। टीएमसी ने एक ट्वीट में लिखा, 'हमारी माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज बोनोबीबी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने पूजा की और सभी के कल्याण की कामना की।

योगी का निशाना, कांग्रेस शहीदों और सैनिकों का अपमान करने वाली पार्टी, राम मंदिर निर्माण में डाल रही थी रुकावट

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस शहीदों और सैनिकों का अपमान करने वाली पार्टी है। अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस देश की सुरक्षा में सेंध लगाने वाली, शहीदों और सैनिकों का अपमान करने वाली पार्टी है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य रुका था क्योंकि कांग्रेस रुकावट डाल रही थी। वहीं, वडोदरा में आयोजित जनसभा में योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव का इससे अच्छा उत्सव और क्या हो सकता है कि दुनिया के वे 20 बड़े देश जिनके पास दुनिया का 80 फीसदी संसाधनों पर अधिकार है, अगले एक वर्ष तक वह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत उनका नेतृत्व करेगा। योगी आदित्यनाथ ने गोधरा में भी रोड शो किया। इससे पहले भी उन्होंने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। क्या कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करवा सकती थी? कांग्रेस पर कभी भरोसा न करें। कांग्रेस कभी राम मंदिर का निर्माण नहीं करवा सकती थी। सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर को पुनर्जीवित करने के लिए काम किया था लेकिन कांग्रेस ने इसका विरोध किया था।योगी ने कहा कि दंगे, कर्फ्यू, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार कांग्रेस की पहचान है। कांग्रेस जहां भी जाती है, इन चीजों को अपनी विरासत के तौर पर ले जाती है। ये उसके जीन में शामिल हैं। गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान होना है। पहले चरण के लिए एक और दूसरे चरण के लिए पांच दिसंबर को मतदान होगा। आठ दिसंबर को मतगणना होगी। आपको बता दें कि गुजरात में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। भाजपा का भी दावा है कि इस बार गुजरात में सभी रिकॉर्ड टूटेंगे।

सुरक्षा घटाये जाने पर भड़के शिवपाल बोले- भाजपा को अब बड़ी हार मिलेगी

लखनऊ। (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी संसदीय सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार के प्रचार के लिए पहुँचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता का आह्वान किया कि वह भाजपा उम्मीदवार को चुने क्योंकि मैनपुरी किसी परिवार की विरासत नहीं बन सकती। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अखिलेश यादव यहां कभी आते भी नहीं हैं और उन्होंने कोरोना काल खंड में भी यहां झांक कर किसी का हालचाल नहीं लिया था। यादव परिवार के गढ़ मैनपुरी में योगी अपने भाषण के जरिये अखिलेश यादव पर तो बरसे ही साथ ही उन्होंने शिवपाल सिंह यादव पर भी कटाक्ष करते हुए उन्हें घड़ी का पैंडुलम करार दे दिया। उधर, उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया (प्रसपा) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव की सुरक्षा 'जेड श्रेणी' से घटाकर 'वाई श्रेणी' कर दी है जिसके बाद समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया है। शिवपाल सिंह यादव की सुरक्षा श्रेणी कम किये जाने के बाद सपा मीडिया सेल ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, ''मैनपुरी के चुनाव में मतदान के पूर्व श्री शिवपाल सिंह यादव जी की सुरक्षा कम करना और रिवर फ्रंट की जांच का बंद पिटारा फिर से खोलना मैनपुरी में भाजपा की शर्मनाक हार और सत्ता के दुरुपयोग का स्पष्ट उदाहरण और चित्रण है, लेकिन भाजपा सत्ता के बल पर गुंडागर्दी ज्यादा दिन नहीं कर पाएगी।'' वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शिवपाल यादव की सुरक्षा श्रेणी को कम किये जाने को आपत्तिजनक बताया था जिस पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार करते हुए कहा कि शिवपाल सिंह यादव को भतीजे अखिलेश यादव और सपा के अपराधियों से खतरा था अब दोनों (चाचा-भतीजा) में मिलाप हो गया है तो सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा टल गया है। उल्लेखनीय है कि हाल में सपा ने प्रसपा प्रमुख शिवपाल को मैनपुरी संसदीय क्षेत्र के उपचुनाव में अपना स्टार प्रचारक बनाया है। मैनपुरी में पांच दिसंबर को होने वाले चुनाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव का मुकाबला भाजपा के रघुराज सिंह शाक्य से है। राजनीतिक जानकारों का भी कहना है कि एक रणनीतिक कदम के तहत भाजपा ने डिंपल यादव के खिलाफशिवपाल यादव के करीबी माने जाने वाले रघुराज सिंह शाक्य को कथित तौर पर परिवार में दरार का फायदा उठाने की उम्मीद में मैदान में उतारा, लेकिन यादव परिवार की एकजुटता के चलते यह समीकरण कारगर होते नहीं दिखा। शिवपाल का डिंपल को समर्थन इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि उनका जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र मैनपुरी लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है और वे वहां के लोकप्रिय नेता हैं। वहीं अपनी सुरक्षा घटाये जाने पर शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि हमें भाजपा से यही उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि अब हमारी सुरक्षा हमारे कार्यकर्ता और जनता करेगी। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि अब डिंपल यादव की जीत और भाजपा प्रत्याशी की हार और बड़ी होगी। हम आपको यह भी बता दें कि पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण एवं सुरक्षा) वैभव कृष्ण का सोमवार को एक आधिकारिक पत्र सामने आया, जिसमें उन्होंने पुलिस आयुक्त, लखनऊ और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) इटावा को पत्र लिखकर प्रसपा प्रमुख एवं जसवंत नगर के विधायक शिवपाल सिंह यादव की सुरक्षा 'जेड' श्रेणी के स्थान पर 'वाई' श्रेणी किये जाने की जानकारी दी है। रविवार को लिखे गये पत्र में उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को आयोजित राज्य स्तरीय सुरक्षा समिति की बैठक में यह निर्णय किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में शिवपाल सिंह यादव को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गयी थी। पुलिस के अनुसार 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा में कुल 11 सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं जिनमें दो पीएसओ (निजी सुरक्षा गार्ड) भी होते हैं, जबकि 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा में राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) के चार से पांच कमांडो सहित कुल 22 सुरक्षाकर्मी तैनात किये जाते हैं।

श्रद्धा मर्डर केस के आरोपी आफताब की सुरक्षा बढ़ी, हमले के बाद तिहाड़ में हुई अधिकारियों की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रद्धा मर्डर केस के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला पर 28 नवंबर को हुई हमले की कोशिश के बाद उसकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े हो गए है। आफताब की सुरक्षा को लेकर अब पुलिस और तिहाड़ जेल के अधिकारी अलर्ट पर हैं। जानकारी के मुताबिक आफताब की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के बीच अहम बैठक भी की गई है, जिसमें उसकी सुरक्षा को पुख्ता किए जाने को लेकर चर्चा हुई है।

बता दें कि आफताब को 29 नवंबर को फिर से एफएसएल लैब और अस्पताल ले जाना है। इसके लिए पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा खाका भी तैयार किया है। संभावना है कि इसके लिए आफताब की सुरक्षा व्यवस्था में बढ़ोतरी हो सकती है। बता दें कि आफताब को 29 नवंबर को भी एफएसएल कार्यालय में पेश होना होगा।

आफताब को मिली अतिरिक्त सुरक्षा: पुलिस ने आफताब की सुरक्षा को देखते हुए उसे अलग बैरक में भी शिफ्ट कर दिया है। जानकारी के मुताबिक जो कैदी अलग बैरक में रखे जाते हैं उन्हें जल्दी बैरक से बाहर नहीं निकाला जाता है। आफताब के बैरक के बाहर सुरक्षा कर्मी भी तैनात किया गया है। सुरक्षा के तहत ही आफताब को खाना भी दिया जाएगा। उसे अन्य कैदियों से सुरक्षा कारणों से दूर रखा जाएगा।

आफताब पर हुआ था हमला: दरअसल 28 नवंबर की शाम एफएसएल कार्यालय के बाहर मुख्य आरोपी आफताब की वैन पर दिल्ली में हमला किया गया था। चार पांच लोगों ने आफताब के वैन पर हमला कर दिया। बता दें कि आफताब को पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री ले जाया गया था। वही इस पर हमले की कोशिश की गई है। कुछ लोगों ने तो आपका आपकी गाड़ी का पीछा तक किया है। दिल्ली में एफएसएल कार्यालय के बाहर श्रद्धा हत्याकांड के आरोपी आफताब पूनावाला को ले जा रही पुलिस वैन पर हमला करने वाले दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आगामी 30 नवम्बर को भाजपा 14 रोड शो के साथ करेगी महाजनसंपर्क अभियान-आशीष सूद

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा नगर निगम चुनाव के संयोजक आशीष सूद ने प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा की हमेशा से कार्यशैली रही है कि उसके नेता कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उनसे वार्तालाप करने में विश्वास रखते हैं। इसका उदाहरण है कि निगम के प्रत्याशियों के नाम ऐलान होने से पहले ही भाजपा ने एक जनसंपर्क अभियान शुरु किया था जिसमें नगर निगम के कार्यों को जनता तक पहुंचाने का काम किया था और वह अभी भी जारी है।

सूद ने आगामी 30 नवम्बर को भाजपा की होने वाली महा जनसंपर्क अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि 14 बड़े रोड शो के माध्यम से भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के कई बड़े नेता एक बार फिर से दिल्ली की जनता से मिलेंगे और अपनी बातों को रखेंगे। उन्होने बताया की प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल रोड़ शो कार्यक्रम का संयोजन कर रहे हैं।

सूद ने कहा कि प्रदूषण एवं भ्रष्टाचार सहित कई मुद्दों को दिल्ली की जनता ने भाजपा नेताओं के सामने रखा था, जिसके आधार पर भाजपा ने अपने प्रचार-प्रसार को जारी रखा है और यहीं कारण है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में कई वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली की जनता के लिए निगम द्वारा किए गए कार्यों एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा कार्यों को जनता तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज भाजपा की ओर जनता का रुझान देखकर आम आदमी पार्टी पूरी तरह से हतोत्साहित है। उसे अभी से ही महसूस होने लगा है कि वह निगम चुनाव हार रही है।

सूद ने कहा कि पहले तो आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार की पाराकाष्ठा को पार किया। लेकिन अब तो वे जनसभाओं को लेकर भी भ्रष्टाचार कर रही है। पिछले दिनों केजरीवाल ने ऐलान किया था कि वे 1000 सभाएं करवाएंगे, लेकिन आज

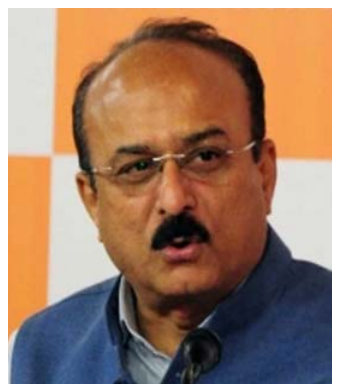

तक कितनी साभाएं हुई है, उसका हिसाब भी केजरीवाल को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 23 नवम्बर के बाद बिना किसी बड़े घोषणा किए, बिना खोखले प्रचार के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में 370 नुक्कड़ साभाओं का आयोजन किया जा चुका है। जिसमें केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर, सहित वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। इसके साथ ही जनसाभाएं और पदयात्राओं में केंद्रीय मंत्री, कई राज्यों में मुख्यमंत्री सहित कई सांसद एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुऐ हैं जिसकी डिटेल मीडिया के जरीए हमने उपलब्ध भी करवाई है।

आगे आशीष सूद ने कहा कि 27 नवम्बर को जनसंपर्क अभियान में भाजपा ने रिकॉर्ड बनाया और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा के नेतृत्व में दिल्ली के सभी 250 वार्डों के हर घर दस्तक देकर संकल्प पत्र में 12 संकल्पों को, निगम द्वारा किए गए कार्यों को और मोदी सरकार द्वारा दिल्ली को दिए तोहफें को भी घर-घर तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि इस पूरे अभियान में एक लाख भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर इस पूरे अभियान को सफल बनाया।

उन्होंने कहा कि हमारा एक ही विचार रहा है सेवा का, क्योंकि हमारे पास खोखले प्रचार नहीं है, लेकिन हम कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उनकी ना सिर्फ समस्याओं को सुनते हैं बल्कि उनका समाधान भी करते हैं। भाजपा के ऊपर पहले भी आम आदमी पार्टी आरोप लगा चुकी है, लेकिन पिछली बार भी हमने 182 पार्षदों के साथ निगम में वापसी की थी और एक बार फिर से चौथी बार वापसी करने की तैयारी है।

एक प्रश्न के जवाब में आशीष सूद ने कहा कि कल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ संबित पात्रा आदि का कार्यक्रम है। रोड शो करने वाले सभी नेताओं के नामों की घोषणा प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल कल करेंगे।

सामाजिक कार्यकर्ता बिंदु श्रीराम भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता और प्रदेश भाजपा निगम चुनाव समिति के संयोजक आशीष सूद की उपस्थिति में आज सामाजिक कार्यकर्ता बिंदु श्रीराम जिन्होंने आम आदमी पार्टी के टिकट की खरीद फरोख्त धंधों का पर्दाफाश किया था। आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। दुष्यंत गौतम ने उन्हें पटका पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। एक अन्य पत्रकार वार्ता में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय गोयल ने आम आदमी पार्टी के अनेक कार्यकर्ताओं को भाजपा में सम्मिलित किया। इन पत्रकार वार्ताओं में प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर, यासिर जिलानी, अजय सहरावत एवं प्रदेश भाजपा रिलेशन सह-प्रमुख विक्रम मित्तल मौजूद रहे।

दुष्यंत गौतम ने कहा कि आम आदमी पार्टी के असली मुखोटे बाहर आ चुके हैं। आज केजरीवाल दूसरे राज्यों में जाकर कही पानी तो कही स्कूल की बात कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली वालों को एक काम तक नहीं गिनवा पा रहे हैं। दिल्लीवासी भी आज पूछ रहे हैं कि आखिर आम आदमी वाली यह पार्टी इतना भ्रष्टाचार कैसे हो गया और कैसे खास पार्टी बन गई। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता भी उन्हें तभी तक सहन कर रही है जब तक वह सत्ता में है। विजय गोयल द्वारा आज आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलवाई गई उनमें प्रमुख थे जगत भूषण सैनी एवं सीमापुरी से पूर्व विधायक एवं श्री राजकुमार आदि।

9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोपी 57 साल का शख्स गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक सोसाइटी में अपने ही दोस्त की 9 साल की बेटी से दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 57 साल के व्यक्ति ने शाम वारदात को अंजाम दिया था। फ्लैट शिफ्टिंग के काम में जुटे माता-पिता ने बेटी को अपने दोस्त पर भरोसा कर उसके घर छोड़ा था, लेकिन आरोपी ने घुमाने के बहाने सोसाइटी क्लब में ले जाकर उसके साथ दरिंदगी की। घटना क्लब के सीसीटीवी में कैद हो गई। आरोपी ने पीड़िता को डराया धमकाया। इसके चलते पीड़िता रात तक खामोश रही, लेकिन रात को उसने अपनी मां को आपबीती बता दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी दिनेश कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ईको विलेज 3 सोसाइटी में रहने वाला दिनेश कुमार शर्मा पीड़ित बच्ची के पिता के साथ गुरुग्राम में इलेक्ट्रिशियन का काम करता है। बाद में वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट में शिफ्ट हो गया। कुछ दिनों बाद उसका दोस्त भी ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आकर शिफ्ट हो गया। रविवार को बच्ची के पिता दूसरे घर में शिफ्ट होने के लिए कुछ सामान खरीदने बाजार गए थे और अपनी 9 साल की बेटी को दिनेश के घर छोड़ गए। दिनेश के घर में उसकी पत्नी मौजूद थी। आरोपी बच्ची को सोसायटी क्लब में ले गया और डरा धमकाकर दुष्कर्म किया।

निगम में सरकार बनने पर कच्चे कर्मचारियों को किया जाएगा पक्का: सिसौदिया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली नगर निगम में उनकी सरकार में सफाई कर्मचारियों को हर महीने समय पर वेतन दिया जायेगा और सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जायेगा। श्री सिसोदिया ने गोकलपुर, रोहतास नगर और शहादरा विधानसभा के काई वार्डों में आयोजित नुक्कड़ सभाओं में लोगों से संवाद कर लोगों की समस्याओं को जाना। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि इस बार अपने वार्ड में केजरीवाल का पार्षद चुनें। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि एमसीडी चुनावों में अब मात्र छह दिन बाकी हैं। इसलिए लोग अब अगले छह दिन अपने वार्ड के घर-घर में जाये और लोगों को जागरूक करें कि यदि भाजपा या कांग्रेस का पार्षद आया तो अगले पांच साल सिर्फ लड़ाई-झगडे करेगा और जनता का काम रुकवाएगा। दिल्ली की बेहतरी और एमसीडी में भी अपने सारे काम करवाने के लिए अरविन्द केजरीवाल का पार्षद ही चुनें। श्री सिसोदिया ने कहा कि भाजपा से दिल्ली का कूड़ा साफ़ नहीं किया गया और इन्होने पूरी दिल्ली को कूड़ा-घर बना दिया। इतना ही नहीं भाजपा महीनों-महीनों तक सफाई-कर्मचारियों का वेतन नहीं देती है।

भाजपा में शामिल होने वाले 'आप' कार्यकर्ताओं को मिल रही हैं धमकियां - गोयल

नई दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के जो नेता और कार्यकर्ता लगातार बड़ी संख्या आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं, उनको धमकियां दी जा रही हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो पुलिस में धमकियां देने वालों के खिलाफ एफआईआर की जाएगी।

गोयल ने कहा कि पिछले एक महीने में सैंकड़ों लोगों ने आम आदमी पार्टी के झूठे वादों, नित नए भ्रष्टाचारों और दिल्ली में यमुना एवं प्रदूषण जैसे विषयों पर कुछ काम न करने के कारण पार्टी छोड़ी है। गोयल ने कहा कि सबसे ज्यादा तो आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता निराश इसलिए हैं कि पार्टी में खुलेआम टिकटें बेची गई और काम करने वाले कार्यकर्ताओं को छोड़कर पैसे वालों को रातों-रात नगर निगम के पार्षद की उम्मीदवारी की टिकट बेच दी गई।

गोयल ने बताया कि भाजपा में शामिल होने वाले अधिकांश लोगों का कहना है कि हमने 'आप' को इसलिए ज्वाइन किया था कि ये भ्रष्टाचार से लड़ेंगे, किन्तु इनके खुद के भ्रष्टाचार इतने हैं कि ये सत्ता के लालच में कुछ भी करने को तैयार हैं।

गोयल ने कहा कि नगर निगम चुनाव में दिल्ली की जनता तैयार हो चुकी है कि किसे वोट देना है। दिल्ली की जनता ने पिछले दिनों देखा है कि किस प्रकार केजरीवाल सरकार और उनके मंत्री भ्रष्टाचार कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी सिर्फ अपने खोखले प्रचार करने में व्यस्त है और उनके हर विभाग में भ्रष्टाचार

की अति हो गई है। गोयल ने कहा कि जो आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के विरोध में सत्ता में आई थी, वही आज देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी बन गई है, यह दिल्ली की जनता भली-भांति जान गई है, और आने वाले निगम चुनाव में जनता केजरीवाल सरकार को करारा जवाब देगी।

डीसीडब्ल्यू के समन के बाद राजस्व विभाग ने दिल्ली में तेजाब की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए कमर कसी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को राजधानी में तेजाब की खुली बिक्री पर रोक लगाने में विफल रहने के संबंध में समन जारी किया था। डीसीडब्ल्यू ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि डीसीडब्ल्यू ने इंगित किया था कि अधिकांश एसडीएम सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन कर रहे थे और निरीक्षण नहीं कर रहे थे और न ही एसिड की खुली बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ जुर्माना लगा रहे थे।

उदाहरण के लिए, रिपोर्ट से पता चला कि 2017 के बाद से शाहदरा और उत्तरी जिले के एसडीएम द्वारा कोई निरीक्षण नहीं किया गया। इसके अलावा, पूर्व, उत्तर, नई दिल्ली, उत्तर पूर्व और शाहदरा जिले जैसे कई एसडीएम ने 2017 से उनके जिलों में अनियमित एसिड बिक्री पर एक भी जुर्माना नहीं लगाया है। इसके अलावा, राजस्व विभाग द्वारा 2017 से एकत्र की गई 36.5

लाख रुपये की जुर्माना राशि का उपयोग एसिड अटैक पीड़िताओं के पुनर्वास के लिए नहीं किया जा रहा था, जो कि अनिवार्य था।

स्वाति मालीवाल के सम्मन के जवाब में राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डीसीडब्ल्यू के समक्ष उपस्थित हुए और राजधानी में एसिड की खुली बिक्री को रोकने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

यह निर्णय लिया गया कि अब से दिल्ली में एसिड की अवैध बिक्री की निगरानी के लिए मंडल आयुक्त द्वारा हर महीने के दूसरे सप्ताह में सभी एसडीएम, दिल्ली महिला आयोग और दिल्ली पुलिस के प्रतिनिधियों के साथ मासिक बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा, डीसीडब्ल्यू को सूचित किया गया था कि अब से सभी एसडीएम अगले महीने के पहले सप्ताह तक मंडल आयुक्त को छापे की तस्वीरों के साथ मासिक डेटा प्रस्तुत करेंगे। उन्हें मोहल्लों, बाजारों और आवासीय कॉलोनियों आदि में छापेमारी करने का निर्देश दिया गया है।

इसके अलावा, सभी एसडीएम को इस मुद्दे पर पुलिस अधिकारियों, महिला पंचायत (दिल्ली महिला आयोग) और अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ जिला स्तर पर मासिक बैठकें करने का निर्देश दिया गया है।

उन्हें आरडब्ल्यूए और एनजीओ से इनपुट लेने के लिए कहा गया है ताकि गलत काम करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

राजस्व विभाग द्वारा सभी हितधारकों के परामर्श से एसिड अटैक पीड़ितों के पुनर्वास और एकत्र किए गए जुर्माने का सही उपयोग के लिए योजना लायी जाएगी ताकि दंड के रूप में एकत्रित धन का एसिड अटैक पीड़ितों के पुनर्वास के लिए उचित उपयोग किया जा सके।इसके अलावा, यह निर्णय लिया गया कि एसिड खरीदने और बेचने से रोकने के लिए जनता के बीच संवेदीकरण और जागरूकता के लिए दिल्ली महिला आयोग और राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त प्रयास किए जाएंगे।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता अभी भी 'बहुत खराब' श्रेणी में, डॉक्टरों ने बीमारी को लेकर चेताया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी शहर में मंगलवार की सुबह धुंध की परत छाने के साथ समग्र वायु गुणवत्ता और भी खराब श्रेणी में आ गई। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के अनुसार, शहर का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मंगलवार सुबह बेहद खराब श्रेणी में 346 दर्ज किया गया। पर्यावरण में पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों की कन्संट्रेशन मंगलवार को बेहद खराब 346 और खराब श्रेणी के तहत 237 दर्ज किया गया।

सफर के पूर्वानुमान के अनुसार, शहर की वायु गुणवत्ता बुधवार को बहुत खराब श्रेणी में एक्यूआई के 359 तक बढ़ने के साथ और खराब होगी। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 'संतोषजनक',

101 और 200 'मध्यम', 201 और 300 'खराब', 301 और 400 'बहुत खराब' और 401 और 500 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। सफर प्रणाली के अनुसार मंगलवार सुबह पूसा, लोधी रोड और मथुरा रोड का वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में क्रमशः 341, 306 और 344 दर्ज किया गया। डॉक्टरों ने चेताया है कि खराब श्रेणी की वायु गुणवत्ता के लंबे समय तक संपर्क में रहने से सांस की बीमारी हो सकती है। हालांकि, दिल्ली के पड़ोसी शहर नोएडा का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक और भी गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया और वायु गुणवत्ता सूचकांक 438 पर पीएम 2.5 एकाग्रता के साथ 438 और पीएम 10 एकाग्रता 319 पर क्रमशः गंभीर और बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

केजरीवाल दो काम बतायें जिनमे उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार ना किया हो-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनौती दी है कि वो अपने दो काम गिनवा दें, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार ना किया हो। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने प्रेस वार्ता कर कहा कि सीमित संसाधनों के साथ भाजपा ने नगर निगम में इतने काम किए हैं कि जहां भी भाजपा प्रत्याशी और नेता वोट मांगने जा रहे हैं, वहां उन्हें भारी समर्थन मिल रहा है। गुप्ता ने कहा भाजपा ने पिछले पांच सालों में दिल्ली नगर निगम का काया पलट कर दिया है। दूसरी ओर अरविंद केजरीवाल ने इन निगम चुनावों में झूठ की सारी हदें पार कर दी है, यहीं वजह है कि जनता उनके नेताओं को सभा तक नहीं करने दे रही। कई जगहों पर आप के बड़े बड़े नेताओं को सभा छोड़कर भागना तक पड़ा है। गली गली शराब की दुकानें

खुलवाने वाले मनीष सिसोदिया को कल ही भारी विरोध के चलते एक सभा से भागना पड़ा।

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में हमने मकान की ऊंचाई 15 मीटर से बढ़ाकर 17.5 मीटर कर दी है, ताकि लोगों बेहतर तरीके से अपने घर का निर्माण कर सके। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में घर घर से कूड़ा उठता है और फिर ये कूड़ा लैंडफिल साइट पर जाता है, जहां हमने 4 वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाए हुए हैं। वहां हम इस कूड़े से 100 मेगावाट बिजली बनाते हैं।

हमने दिल्ली को कूड़ादान मुक्त अभियान भी चलाया और दिल्ली को ढलाव से मुक्त किया। उसकी जगह मॉर्डन कॉम्पेक्टर लगाए हैं। जिनसे कूड़ा बेहतर ढंग से उठाया जा रहा है।

हमने इस कूड़े से ऐसे पार्क बनाए हैं, जिनको देखने दूसरे राज्यों से और विदेशों से भी लोग आ रहे हैं। हम कुछ और जगह वेस्ट टू वंडर पार्क बनाएंगे।

गुप्ता ने बताया कि हमने दिल्ली में पार्कों का भी कायाकल्प कर दिया है, दिल्ली में छह हजार पार्कों में ओपन जिम लगा दिए हैं, इन पार्कों में हरियाली भी बढ़ाई है, जॉगिंग के लिए ट्रैक भी बनाए हैं। जहां बच्चे, बूढ़े और जवान सभी अपनी सेहत को बेहतर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जन्म-मृत्यु और अन्य ट्रेड लाइसेंस ये सभी सुविधाएं ऑनलाइन कर दी हैं। हम ही लोगों की समस्याओं का स्थायी समाधान देते हैं। गुप्ता ने कहा कि हमने पूरी दिल्ली में ओपन रेस्त्रां का कॉन्सेप्ट शुरु किया है, ताकि लोग अपने घर की छतों और दुकानों के बाहर ओपन रेस्त्रां खोल सकें।

जहां आम आदमी पार्टी कोरोना में 400 करोड़ रुपये विज्ञापन में खर्च किए, लेकिन एक भी बेड नहीं बनाया, वहीं हमने दिल्ली में 32 सौ बेड चलाये हैं, पूरी दिल्ली में निगम ने 133 से ज्यादा प्रसूति एवं महिला स्वास्थ केंद्र और 123 डिस्पेंसरियां चलाई हैं।

एमसीडी चुनाव के लिए भाजपा का वचन पत्र सिर्फ धोखा: चौ. अनिल

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जो वचन पत्र जारी किया है वह छलावा है। बीते वर्षों में भाजपा और आम आदमी पार्टी ने जनता को सिर्फ सपने दिखाए हैं। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए चौधरी अनिल ने कहा कि दिल्ली नगर निगम चुनाव (एमसीडी) में गरीब, मजदूर और दलित वर्ग यह निर्णय ले चुका है कि वह चार दिसम्बर को कांग्रेस के पक्ष में मतदान करेगा। क्योंकि निगम में भाजपा और दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने पिछले कार्यकालों में अस्थाई, अनुबंधित कर्मचारियों को नियमित करने और बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था, जिसमें

दोनों पूरी तरह विफल साबित हुए हैं।

चौधरी ने कहा कि वर्ष 2017 के संकल्प पत्र में भाजपा ने निगम में अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने का वादा किया था लेकिन वर्ष 2022 के वचन पत्र में अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने का कोई ब्यौरा नहीं होना, साबित करता है कि 15 वर्षों की सत्ता के बाद भाजपा ने स्वीकार कर लिया है कि वे भविष्य में अस्थाई कर्मचारियों का नियमित नहीं करेंगे। कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी निगम की सत्ता में आने पर सर्वप्रथम दिल्ली नगर निगम में अस्थाई और अनुबंधित कर्मचारियों के हितों के संबंध में

अस्थाई कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। दलितों के कल्याण और विकास के लिए कांग्रेस की शीला सरकार के दौरान चलने वाली योजनाओं को पुनः लागू किया जाएगा।

कदम उठाएगी। अस्थाई कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। दलितों के कल्याण और विकास के लिए कांग्रेस की शीला सरकार के दौरान चलने वाली योजनाओं को पुनः लागू किया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय दाखिले के लिए स्पॉट राउंड का दूसरा चरण घोषित

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए स्पॉट राउंड का दूसरा चरण घोषित किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ने स्पॉट राउंड 2 के लिए डीयू ने अपना प्रवेश पोर्टल खोल दिया है। सभी इच्छुक उम्मीदवार स्पॉट राउंड टू के तहत आवेदन करने के लिए पात्र हैं। ऐसे छात्र जिन्हें पहले ही दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिला मिल चुका है वह के लिए पात्र नहीं होंगे। पहले से दाखिला पा चुके छात्र कोर्स या कॉलेज बदलने के लिए भी इस अवसर का इस्तेमाल नहीं कर सकते। दिल्ली विश्वविद्यालय का कहना है कि स्पॉट राउंड टू, के दाखिले केवल उन छात्रों के लिए हैं जिन्हें 28 नवंबर तक दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी कार्यक्रम में दाखिला नहीं मिला है। रजिस्ट्रार ने बताया कि इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रदर्शित सीटों की रिक्तियों को देखें। दाखिला पाने के इच्छुक उम्मीदवार को अपने डैशबोर्ड से लॉगिन करना चाहिए और किसी एक कार्यक्रम का चयन करें। विश्वविद्यालय का कहना है कि रिक्त सीटों के आधार पर छात्रों को केवल ऐसे कार्यक्रम का चयन करना चाहिए, जिनमें कि वह दाखिला चाहते हैं। छात्रों को उन्हीं कार्यक्रमों में से अपनी पसंद तय करनी होगी जिनके लिए स्पॉट राउंड टू में सीट की पेशकश की गई है। कोर्स चुनने के साथ ही छात्र इस कॉलेजों की वरीयता भी तय कर सकेंगे। दिए गए पाठ्यक्रमों सीटों और कॉलेजों का चयन करने के उपरांत छात्रों को फॉर्म सबमिट करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय के मुताबिक यहां एक खास बात यह है कि यदि उम्मीदवार को स्पॉट राउंड टू में सीट मिल जाती है तो उसे आवंटित सीट पर प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आरक्षित वर्ग के छात्रों को सीटें अपग्रेड करने का अवसर भी दिया जा रहा है।दरअसल दिल्ली विश्वविद्यालयों में खाली बची रह गई सीटों पर दाखिले के लिए यह प्रक्रिया अपनाई गई है। इस प्रक्रिया में केवल ऐसे छात्र शामिल हो सकते हैं जिन छात्रों ने कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) में आवेदन किया है, लेकिन दूसरे चरण की घोषणा तक किसी कॉलेज में दाखिला नहीं मिली है।